



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 24 नई दिल्ली, शनिवार, जून 17, 1978 (ज्येष्ठ 27, 1900)  
No. 24] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 17, 1978 (JYAISTHA 27, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 अप्रैल 1978

सं० ए० 32013/2/77-प्रशा०-I(i)—आकाशवाणी महानिदेशालय में सहायक योजना अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थानापन्न अवर सचिव श्री बी० एन० वैद्यनाथन, को अद्यतन संशोधित संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावली 1958 के विनियम 7 के साथ पठित विनियम 4 के प्रावधान के अनुसार अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 17-4-1978 के पूर्वाह्न से 15-7-1978 तक, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार में नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 320013/2/77-प्रशा०-I(ii)—कालीकट क्षेत्रीय इंजीनियरी कालिज, कालीकट में लेक्चरर तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थानापन्न अवर सचिव डा० आर० भास्करन को अद्यतन संशोधित संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावली 1958 के विनियम 7 के साथ पठित विनियम 4 के प्रावधान के अनुसार अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 17-4-1978 के पूर्वाह्न से 15-7-1978 तक, अथवा 1-11-63/78

(3325)

आगामी आदेश तक जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 1 मई 1978

सं० ए० 32013/2/77-प्रशा०-I—राष्ट्रीय पशुधन अनुसंधान संस्थान के सह प्रोफेसर तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थानापन्न अवर सचिव डा० डी० एन० प्रसाद को अद्यतन संशोधित संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावली 1958 के विनियम 7 के साथ पठित विनियम 4 के प्रावधान के अनुसार अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, द्वारा 1-5-1978 के पूर्वाह्न से 31-7-1978 तक, अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार में नियुक्त किया जाता है।

प्र० न० मुखर्जी,  
अवर सचिव  
कृते अध्यक्ष  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 अप्रैल 1978

सं० ए० 32013/2/77-प्रशा०-I—इस कार्यालय की सम-संख्यक अधिसूचना दिनांक 24-12-1977 का अधिक्रमण करते हुए संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

क्र० सं०	नाम	अवधि
1.	श्री वीर सिंह रियात	3-10-1977 से 2-1-1978 तक
2.	श्री आर० आर० अहीर	5-10-1977 से 31-12-1977 तक

दिनांक 1 मई 1978

सं० पी०/1879-प्रशा०-I—दिल्ली विश्वविद्यालय में भूतपूर्व रीडर तथा संघ लोक सेवा आयोग में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत डा० एस० पी० भटनागर की सेवाएं 1-5-1978 (पूर्वाह्न) से दिल्ली विश्वविद्यालय को पुनः सौंपी जाती है।

दिनांक 5 मई 1978

सं० ए० 32013/1/77-प्रशा०-I—इस कार्यालय की सम-संख्यक अधिसूचना दिनांक 21-1-78 में आंशिक संशोधन करते हुए राष्ट्रपति द्वारा श्री वीर सिंह रियात को 3-1-78 से 4-2-78 (अपराह्न) तक की अवधि के लिये केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 11 मई 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा०-III(1)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० के० जसूजा को, राष्ट्रपति द्वारा 1-5-78 से 17-6-78 तक 48 दिन की अवधि के लिये, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा०-III(2)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० एन० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 1-5-78 से 17-6-78 तक 48 दिन की अवधि के लिये, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा०-III(3)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जय नारायण को, राष्ट्रपति द्वारा 2-5-78 से 16-6-78 तक की अवधि के लिये, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

प्रभात नाथ मुखर्जी  
अवर सचिव  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1978

सं० ए०-19021/5/78-प्रशा०-5—राष्ट्रपति, अपने प्रसाद से श्री एल० सी० अमरनाथ, भा० पु० सेवा (1967-उड़ीसा) को दिनांक 10-5-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये प्रतिनियुक्त के आधार पर पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना) के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री बी० बी० पंडा, भा० पु० सेवा (उड़ीसा) ने दिनांक 10-5-78 के पूर्वाह्न से पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, भुवनेश्वर का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवाएं राज्य सरकार को वापस सौंप दी गई हैं।

के० के० पुरी  
उप निदेशक (प्रशासन)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 24 मई 1978

सं० बी०-6/69-प्रशासन-5—श्री बी० एम० वाघ, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस उप-अधीक्षक और महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी की सेवाएं दिनांक 30-4-78 के अपराह्न से राज्य पुलिस को वापस सौंप दी गई हैं।

विजय पाल पाण्डे  
प्रशासन अधिकारी (लेखा)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 27 मई 1978

सं० पी० एफ०/बी०-63/73-प्रशा०-I—58 वर्ष की आयु में निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर, महाराष्ट्र, पुलिस से प्रतिनियुक्त पुलिस निरीक्षक श्री वी० जी० राणे को दिनांक 30-4-78 के अपराह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कंध, बम्बई में अपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

जरनैल सिंह  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 मई 1978

सं० 10/13/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, आन्ध्र प्रदेश में जनगणना निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक और इस समय बंगलौर में जनगणना निदेशक, कर्णाटक के कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री बी० सत्यनारायण को कर्णाटक में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तारीख 10 अप्रैल, 1978 की पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक नियमित आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय बंगलौर में ही रहेगा।

2. उन्होंने उसी तारीख से तदर्थ आधार पर धारित सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद का कार्यभार छोड़ा।

सं० 10/9/78-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय के सामाजिक अध्ययन प्रभाग में अन्वेषक श्री ई० रामस्वामी को उसी कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) के पद पर पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर तारीख 1 अप्रैल, 1978 के पूर्वाह्न से छह महीने की अवधि के लिये या अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 मई 1978

सं० पी०/बी(1)-प्रशा०-I—श्री बन्नीनाथ ने अधिवर्षिता की आयु पर पहुंचने पर तारीख 1 मई, 1978 के पूर्वाह्न से भारत के उप महापंजीकार (जनगणना) के पद का कार्यभार छोड़ा।

सं० पी०/पी०(35)-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 8 फरवरी, 1978 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में भारत निर्वाचन आयोग सचिवालय के स्थायी हिन्दी अनुवादक, श्री के० एन० पन्त की भारत के महापंजीकार के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को 1 अप्रैल, 1978 से 30 जून, 1978 तक या जब तक यह पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री पन्त का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

पी० पद्मनाभ  
भारत के महापंजीकार

कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1978

सं० प्रशासन-I/कार्या० आदेश 104/5-5/पदोन्नति/78-79/346—महालेखाकार इस कार्यालय के निम्नांकित स्थायी अनुभाग

अधिकारियों को 3 मई, 1978 अपराह्न से अगले आदेशों तक स्थानापन्न लेखाधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

क्रमांक	नाम
1. श्री सरूप सिंह	

ह०/अपठनीय  
वरिष्ठ महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश

खालियर, दिनांक 19 मई 1978

सं० प्रशासन-1/62—महालेखाकार प्रथम, मध्य प्रदेश ने निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न क्षमता में लेखा अधिकारी के पद पर वेतनमान रुपये 840-40-1000 द० अ० 40-1200 में उनके नाम के आगे दर्शाये गये दिनांक से पदोन्नत किया है :—

सर्वश्री

1. आर० एन० चक्रवर्ती 02/0234	6-5-78 पूर्वाह्न
2. सुखन सिंह 02/0235	6-5-78 पूर्वाह्न
3. एन० एस० वैद्य 02/0236	9-5-78 पूर्वाह्न
4. एम० पी० लोकरे 02/0237	9-5-78 पूर्वाह्न

कृष्ण गोपाल

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्म्मेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता-16, दिनांक 26 मई 1978

सं० 18/78/जी—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री पी० के० दे०, स्थानापन्न टी० एस० ओ० (मौलिक एवं स्थायी एस० ए०) दिनांक 31 मार्च, 1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 26 मई 1978

सं० 21/जी०/78—इस महानिदेशालय की दिनांक 26 जुलाई, 1977 की अधिसूचना 381०/जी/77 में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है :—

क्रम संख्या 18 में

बास्ते :—श्री मुरलीधर सिंह सहायक प्रबन्धक (परिवीक्षा)  
—19 मार्च, 1977

पढ़ा जाए :—श्री मुरलीधर सिंह (परखावधि पर)—  
19 मार्च, 1977

सं० 22/जी/78—इस महानिदेशालय की दिनांक 26 जुलाई, 1977 की अधिसूचना संख्या 39/जी/77 में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है :—

क्रम संख्या 25 में

वास्ते:— श्री एम० एल० राय,

स्थानापन्न फोरमैन—25 अप्रैल, 1977

पढ़ा जाए:— श्री मनीन्द्र नाथ रे,

स्थानापन्न फोरमैन—25 अप्रैल, 1977

वी० के० मेहता

सहायक महानिदेशक,

आईनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात निर्यात का कार्यालय

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, दिनांक 24 मई 1978

स्थापना

सं० 6/994/72-प्रशासन (राज)/3757—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग में स्थानापन्न अधिकारी, श्री के० डी० शर्मा ने 30 अप्रैल, 1978 के दोहरे बाद से इस कार्यालय में नियन्त्रक आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 26 मई 1978

सं० 6/302/55-प्रशासन (राज) 3795—राष्ट्रपति, कुमार एस० के० प्रेवाल, उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात निर्यात (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) को मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में बिल्कुल तदर्थ और अस्थायी आधार पर 1 जनवरी, 1978 से 3 जनवरी, 1978 की और आगामी आवधि के लिये संयुक्त मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० वें० शेषाद्रि

मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1978

सं० ए० 19018(327)/77-प्रशासन (राजपत्रित)—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर राष्ट्रपति जी श्री के० वी० के० राजू को दिनांक 23 मार्च, 1978 (अप्रराह्न) से अगले आदेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (कांच/मृत्तिका शिल्प) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री के० वी० के० राजू ने प्रक्रिया-सह-उत्पाद विकास केन्द्र, रांची में दिनांक 23 मार्च, 1978 (अप्रराह्न) से सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (कांच/मृत्तिका शिल्प) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 18 अप्रैल 1978

सं० ग-19018(103)/73-प्रशासन (राजपत्रित)— श्री मदनलाल (भारतीय अर्थ सेवा के ग्रेड-III अधिकारी) को राष्ट्रपति जी दिनांक 21-3-1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक (ई० आई०) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री मदनलाल ने दिनांक 10-3-78 (अप्रराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली के सहायक निदेशक (ग्रेड-I) पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा दिनांक 21-3-78 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी में उप निदेशक (ई० आई०) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 26 अप्रैल 1978

सं० 12(282)/61-प्रशासन (राजपत्रित)—श्री जे० वी० बापूराज ने दिनांक 15-4-78 (अप्रराह्न) से एस० सी० ए० ए० पी० के अधीन तंजानिया सरकार के तकनीकी सलाहकार के रूप में प्रतिनियुक्ति पर जाने के परिणामस्वरूप कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में निदेशक (ग्रेड-1) (ए० ई० ई०) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 12/596/68-प्रशासन (राजपत्रित)—लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक तथा भारतीय अर्थ सेवा के ग्रेड-III अधिकारी श्री एस० एम० आर० जैदी को राष्ट्रपति जी दिनांक 24-10-1977 से 10-1-1978 तक की अवधि के लिये लघु उद्योग विकास संगठन में निदेशक (ग्रेड-II) (ई० आई०) के रूप में तदर्थ आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री एस० एम० आर० जैदी ने दिनांक 24-10-1977 (पूर्वाह्न) से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में उप निदेशक (ई० आई०) पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 24-10-77 (पूर्वाह्न) से ही कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में निदेशक (ग्रेड-II) (ई० आई०) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 27 अप्रैल 1978

सं० 12/676/70-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी दिनांक 15-4-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक श्री जी० रमन, निदेशक (यांत्रिक) को लघु उद्योग विकास संगठन में औद्योगिक सलाहकार (आधुनिकीकरण) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री जी० रमन ने कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में दिनांक 15-4-78 (पूर्वाह्न) से निदेशक (यांत्रिक) पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा दिनांक 15-4-78 (पूर्वाह्न) से ही कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में औद्योगिक सलाहकार (आधुनिकीकरण) के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० ए-19018/70/73-प्रशासन (राजपत्रित)—संगठन एवं प्रबन्ध सेवा निदेशालय (आयकर), नई दिल्ली में उप सिस्टम सलाहकार के रूप में नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री आर० पी० मेहता ने दिनांक 31-3-78 (अपराह्न) से लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक (डेटा बैंक) पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

वी० वेंकटरायलु,  
उप निदेशक (प्रशासन)

#### पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 26 मई 1978

सं० जूट(ए)/147/65—इस कार्यालय के सम संख्यक अधिसूचना दिनांक 24-4-1978 के सिलसिले में पटसन आयुक्त एतद्द्वारा श्री एम० के० हजारा, निरीक्षक (अतकनीकी) को इस कार्यालय में एक ग्रुप 'बी' (राजपत्रित) महायक निदेशक (निर्यात) के तौर पर तदर्थ स्थानापन्न की हैसियत में रु० 650-30-740-35-810-इ० रो०-35-880-40-1000-द० रो० -40-1200/- के वेतनमान में दिनांक 30-4-78 (पूर्वाह्न) से 11-5-78 (अपराह्न) तक नियुक्ति अवधि में वृद्धि करते हैं।

के० के० बनर्जी  
प्रशासनिक अधिकारी

#### पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन श्रुतभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1978

सं० प्र० 1/1(344)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में स्थायी निदेशक श्री जी० एम० कुलश्रेष्ठ, दिनांक 30-4-1978 के अपराह्न में निवर्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सूर्य प्रकाश  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

#### इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 25 मई 1978

सं० 3718/बी/2251(सी०टी०जी०)/19वां—खानिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री सी० टी० गुरुमुखी ने भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में ड्रिलर के पद का कार्यभार 30 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से संभाल लिया।

सं० 3732/बी/2251(सी०टी०जी०)/19वीं—भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के ड्रिलर श्री सी० टी० गुरुमुखी को

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से 28 फरवरी 1977 के अपराह्न से मुक्त किया गया है ताकि वे खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) में सहायक ड्रिलिंग इंजीनियर के पद का कार्यभार ग्रहण कर सकें।

सं० 3786/बी/1734(4)/77/19सी—भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित अस्थायी अधिकारियों को उमी श्रेणी में उनके सामने दर्शायी गई तिथि में स्थायीवत् घोषित किया जा रहा है :—

क्र० सं०	नाम	पदसंज्ञा	स्थायीवत् घोषित करने की तिथि
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	आर० एन० पाल	सहायक भू-वैज्ञानिक	12-2-71
2.	एस० चक्रवर्ती	"	3-11-74
3.	आर० के० बंधोपाध्याय	"	22-9-74
4.	एम० शामसुगम	"	7-1-73
5.	दीपाकर सेन	"	26-10-74
6.	एस० ए० पंदारे	"	12-2-71
7.	के० आर० रामचन्द्रन	"	1-3-71
8.	बी० ओ० ठक्कर	"	25-10-75
9.	अशीष कुमार राय	"	1-9-75
10.	टी० श्रीनिवास राव	"	25-8-75
11.	दर्शन कुमार	"	15-9-75
12.	पी० नरसिंह राव	"	27-11-75
13.	श्यामल कुमार विश्वास	"	26-8-75
14.	एस० आर० प्रसाद	"	20-6-75
15.	बिमान देवनाथ	"	25-8-75
16.	बी० मदन मोहन	"	4-5-76
17.	ए० के० रेलन	"	19-8-75
18.	अलोकेश नन्दी	"	21-6-75
19.	सी० पी० एस० परीहार	"	21-4-76
20.	बी० टिरके	"	19-8-75
21.	ए० के० मलहोत्रा	"	14-8-75
22.	एन० एस० वेंकटेश	"	7-9-75
23.	आर० के० अरोरा	"	4-8-75
24.	एस० टी० सम्बादन	"	4-9-75
25.	डा० एम० एस० महवाल	"	5-10-75
26.	जे० एस० जमवाल	"	27-8-75
27.	सुजीत दास गुप्त	"	3-12-76
28.	सुजीत रंजन सेन गुप्त	"	14-12-76
29.	सय्यद ए० खान	"	14-2-77
30.	एस० के० सिंह	"	18-1-77
31.	आर० सी० भगारी	"	15-4-77
32.	एम० तिवारी	"	8-4-77

1	2	3	4
33	एम० के० श्रीवास्तव	सहायक भूवैज्ञानिक	15-11-76
34	पी० गोपाल कृष्ण भट्ट	"	31-10-76
35	डी० एन० बंधोपाध्याय	"	8-2-77
36	कु० कल्पना सेन	"	29-11-76
37	अमिताभ सेन	"	22-11-76
38	पी० एम० दत्त	"	30-3-77
39	पी० चक्रवर्ती	"	27-11-76
40	सुनिल कुमार दास	"	6-2-77
41	जीवितेश भट्टाचार्य	"	26-3-77
42	के० नरसिम्हाराव	"	1-4-75
43	आर० एस० तुली	सहायक रसायनज्ञ	25-9-73
44	डा० सुभाष चन्द्र	"	8-11-74
45	एन० के० सिन्हा	"	23-3-77
वी० एस० कृष्णस्वामी, महानिदेशक			

## राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 27 मई 1978

सं० ए० 11-9/78-ए-1—श्री बी० एस० कालड़ा, अधीक्षक, की 1 जून, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक [श्री एल० डी० अजमानी, प्रशासन अधिकारी जो 31-5-78 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो रहे हैं उनके स्थान पर] बिल्कुल तदर्थ आधार पर स्थापनापन्न प्रशासन अधिकारी (ग्रुप 'बी' राजपत्रित) नियुक्त किया जाता है। यह तदर्थ नियुक्ति नियमित नियुक्ति के लिये कोई अधिकार या दावा नहीं करने देगी और अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति संबंधी वरिष्ठता और अर्हता के लिये नहीं गिनी जायेगी।

एस० एन० प्रसाद,  
अभिलेख निदेशक

## आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1978

सं० 10/137/77-S-III—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री एस० एस० जीवनराम को आकाशवाणी गोरखपुर में दिनांक 28-4-78 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह,  
प्रशासन उप निदेशक,  
कृते महानिदेशक

## सूचना और प्रसारण मंत्रालय

## प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई 1978

सं० ए० 12026/1/78-प्र० I—इस विभाग की अधिसूचना संख्या ए० 12026/1/78-प्र० 1 दिनांक 15 फरवरी,

1978 के क्रम में श्री के० सी० सिंहल, लेखा अधिकारी के 30 अप्रैल, 1978 से 9 जून, 1978 तक और अवकाश बढ़ा दिए जाने के फलस्वरूप निदेशक, प्रकाशन विभाग श्री जी० डी० मदान, स्थाई वरिष्ठ लेखाकार को इस विभाग में श्री सिंहल के स्थान पर तदर्थ आधार पर लेखा अधिकारी के रूप में कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान करते हैं।

सं० ए० 12026/2/78-प्रशासन-1—निदेशक, प्रकाशन विभाग, श्री ईश्वर चन्द्र, सहायक व्यापार व्यवस्थापक को 24-4-78 से 9-6-78 तक अवकाश प्रदान किये जाने के फलस्वरूप व्यापार कार्यकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री डी० सी० गुप्ता को प्रकाशन विभाग में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक व्यापार व्यवस्थापक नियुक्त करते हैं।

2. यह तदर्थ नियुक्ति श्री डी० सी० गुप्ता को सहायक व्यापार व्यवस्थापक के ग्रेड में नियमित नियुक्ति के दावे का अधिकार नहीं देती। वरिष्ठता के मामले में उनकी यह नियुक्ति भी ग्रेड में नहीं जोड़ी जायेगी।

दिनांक 26 मई 1978

सं० ए० 12026/2/78-प्र० 1—इस विभाग की अधिसूचना संख्या ए० 12026/2/78-प्र० 1 दिनांक 13-4-78 के क्रम में श्री आर० बी० सिंह, सहायक व्यापार व्यवस्थापक को 2-5-1978 से 1-7-1978 तक अवकाश प्रदान किये जाने पर निदेशक, प्रकाशन विभाग श्री एस० सी० जैन को तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक व्यापार व्यवस्थापक के पद पर कार्य करने रहने की अनुमति देते हैं।

इन्द्रराज सिंह,  
उप निदेशक प्रशासन,  
कृते निदेशक

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1978

सं० ए० 12025/8/77-भण्डार -1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री सुजित कुमार सरकार को 27 मार्च, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सरकारी शिक्षिता सामग्री भण्डार डीपू, कलकत्ता में रसायनज्ञ (वर्ग ख- राजपत्रित) के पद पर नियुक्त किया है। इस निदेशालय की 18 अप्रैल, 1978 की अधिसूचना संख्या ए० 12025/8/77-ब भण्डार-I को एतद्द्वारा रद्द किया जाता है।

संगत सिंह,  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1978

सं० ए० 12023/14/76-(उत्प० एच०) प्रशासन-I—सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में कनिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी के पद पर प्रतीति नियुक्ति हटा जाने के फलस्वरूप डा० (श्रीमती)

स्वर्ण लता कपूर ने 14 अप्रैल, 1978 अपराह्न से डा० राम-मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली से सहायक जीव-रसायन के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19020/59/77-प्रशासन-I—सेवा निवृत्ति की आयु के हो जाने के फलस्वरूप राजकुमारी अमृत कौर उपचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली में मनोविज्ञान के प्राध्यापक श्रीमती लतिका सेन गुप्त ने 30 अप्रैल, 1978 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गई।

दिनांक 26 मई 1978

सं० 6-19/77-अ० नि० -राष्ट्रपति ने श्री पी० जी० रे, तकनीकी अधिकारी (जीवाणु विज्ञान), केन्द्रीय औषधि प्रयोगशाला, कलकत्ता को 4 मई, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी प्रयोगशाला में जीवाणु विज्ञानी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

श्री पी० जी० रे ने उसी तारीख से तकनीकी अधिकारी (जीवाणु) विज्ञान के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुटियाला,  
उप निदेशक प्रशासन (सं० ब प०)

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मन्त्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1978

सं० ए० 19015/21/77-स्था०-1—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर श्री संसार चन्द सूद ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मन्त्रालय में डेस्क अधिकारी के पद का कार्यभार 1 मई 1978 पूर्वाह्न से छोड़ दिया।

ध्यारे लाल जोशी,  
अवर सचिव

कृषि एवं सिंचाई मन्त्रालय

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 मई 1978

सं० 5 (249)/78-स्था० (1)—सहायक प्रदर्शनी अधि-कारी (दृश्य) के पद पर श्री पी० बी० दत्त की तदर्थ नियुक्ति दिनांक 28 फरवरी, 78 से आगे 31 अगस्त, 78 तक बनी रहेगी।

इन्द्र जीत कपूर,  
निदेशक प्रशासन

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 24 मई 1978

सं० ए० 19025/68/78-प्र० तृ०—श्री एच० एन० राय वरिष्ठ निरीक्षक की विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, ऊंझा में दिनांक 11-5-78 (अपराह्न) से तीन माह की अवधि

के लिए अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/74/78-प्र० तृ०—श्री एस० डी० काथलकर वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, अहमदाबाद में दिनांक 8-5-78 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिए अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/76/78-प्र० तृ०—श्री आर० के० पांडे वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, नई दिल्ली में दिनांक 20-4-1978 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिए अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

दिनांक 26 जून, 1978

सं० ए० 19025/64/78-प्र० तृ० 1—श्री नन्द लाल मिह वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, चन्डीगढ़ में दिनांक 3-5-78 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिए अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/67/78-प्र० तृ०—श्री दिनेश प्रताप सिंह वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, चन्डीगढ़ में दिनांक 3-5-1978 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिए अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

वेद प्रकाश चावला,  
प्रशासन निदेशक,  
कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु उर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 19 मई 1978

सं० क्र० भ० नि० 1/1(6)/77 प्रशासन 14236—इस निदेशालय की मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट, मद्रास में निकासी एवं परिवहन यूनिट के सहायक भंडार अधिकारी श्री एन० आर० विजयन को सहायक क्रय अधिकारी के पद पर, 1 जून 1977 से पुनः पद नियुक्त किया जाता है।

के० पी० जोसफ,  
प्रशासनिक अधिकारी

## मद्रास विदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1978

सं० ए० 32013/2/77-ई०—इस कार्यालय की दिनांक 5-1-1978 की अधिसूचना सं० ए० 32013/2/77-ई० ३३३० के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री ए० सी० राय चौधरी की उपनिदेशक (फायर) के पद में तदर्थ नियुक्ति की अधि दिनांक 30-12-77 से लू गांग के लिए अथवा ग्रुप में नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले ही बढ़ा दी है और उन्हें मुख्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 32013/9/77-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 6-12-77 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/77-ई० सी० दिनांक 11-1-78 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/77-ई० सी० दिनांक 2-5-73 की सं० ए० 32013/9/77-ई० सी० तथा दिनांक 2-5-78 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/77-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों की नागर विमानन विभाग में तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को 31-7-73 तक या ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्तियां होने पर जो भी पहले उड़े, जारी रखने की मंजूरी दे दी है—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1	2	3
सर्वश्री		
1. एस० के० शर्मा	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम	
2. जी० सी० रेडडी	रेडियो निर्माण तथा विकास एकक, नई दिल्ली	
3. डी० के० शर्मा	क्षेत्रीय कार्यालय, सफदरजंग एयर नई दिल्ली	
4. डी० पी० अग्निहोत्री	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद	
5. बी० रामकृष्ण	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	
6. के० एन० के० मोदवाल	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	
7. ए० के० टिक्क	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र इलाहाबाद	
8. डी० जी० मूद	वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली	
9. पी० एम० वैक्टरसन	वैमानिक संचार स्टेशन, नागपुर	
10. टी० आर० शास्त्री	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	
11. एम० अरुलदास	क्षेत्रीय कार्यालय मद्रास	
12. टी० एन० मेहता	रेडियो निर्माण तथा विकास एकक, नई दिल्ली	

1	2	3
13. के० चन्द्रचूड	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	
14. आर० पी० मोहिन्द्र	रेडियो निर्माण तथा कपेर-विकास एकक, नई दिल्ली	
15. एन० आर० एन० अयंगर	वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी	

सत्य देव शर्मा  
उपनिदेशक प्रशासन

## केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय

कानपुर, दिनांक 26 मई 1978

सं० 10/78—श्री ए० एस० आलूवालिया निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग ख, वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप—देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन 11-22 ई० टी०/78/44 दिनांक 9-1-78 के अन्तर्गत निर्गत/कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए/4/1978 दिनांक 9-1-78 अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक (कस्टम) कानपुर (मुख्यालय) के पद पर कार्यभार ग्रहण दिनांक 30-1-78 पूर्वाह्न किया।

दिनांक 24 अप्रैल 1978

सं० 016/78—श्री पी० पी० घोवर निरीक्षक, “प्रवरण कोटि” केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग का, वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप—देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 0 11-22 ई० टी०/78/44 दिनांक 9-1-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए/4/1978 दिनांक अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एम० ओ० आर० मेवारा “भिरठ” के पद का कार्यभार दिनांक 16-1-78 पूर्वाह्न ग्रहण किया।

दिनांक 25 अप्रैल 1978

सं० 9/78—श्री आई० पी० वडेरा निरीक्षक, “प्रवरण कोटि” केन्द्रीय उत्पाद शुल्क में, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग, का वेतन मान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप—देखिए, इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 0 11-22-ई० टी०-78/44 दिनांक 9-1-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए/4/1978 दिनांक 9-1-78—अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक “लेखा परिक्षा” कानपुर मुख्यालय के पद का कार्यभार दिनांक 2-2-78 पूर्वाह्न ग्रहण किया।

सं० 15/78—श्री सी० पी० सैली निरीक्षक “प्रवरण कोटि” केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क



वर्ग ख, वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200, के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप—देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11-22 ई० टी०/78/44 दिनांक 9-1-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए/4/1978 दिनांक 9-1-78 अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक “ख” गा-गाजियाबाद-1 के पद का कार्यभार दिनांक 16-1-78 “पूर्वाह्न” ग्रहण किया।

दिनांक 1 मई, 1978

सं० 24/78—श्री प्रेमचन्द्र मलिक निरीक्षक “प्रवरण कोटि” केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग ख, वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप—देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 0 11-22 ई० टी०/74/44 दिनांक 9-1-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए/4/78 दिनांक 9-1-78 अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग “ख” के पद का कार्यभार दिनांक 24-1-78 “पूर्वाह्न” को केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहृत्यालय कानपुर में ग्रहण किया।

के० प्रकाश आनन्द, समाहर्ता

#### सीमाशुल्क/स्थापना

मद्रास-1, दिनांक 23 मई 1978

सं० 1/78—श्री सी० जुलिएन आन्ड्रू को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार, 6 मई, 1978, के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, अस्थायी रूप से सीमाशुल्क घर में सीधी भर्ती अप्रैसर (गैर-विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परखाधीन काल में रहेंगे।

एम० जी० वैद्या, सीमाशुल्क समाहर्ता

#### केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 27 मई 1978

सं० क-19012/691/78-प्रशासन पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, निम्नलिखित अधिकारियों का अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता की श्रेणी में स्थानापन्न रूप में 650-30-740-35-810-द० रा०-35-880-40-1000-द० रा०-40-1200 के वेतनमान में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीखों से आगामी आदेश होने तक पूर्णतया अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं। उन्होंने उनके नाम के सम्मुख दिए गए कार्यालयों में पदों का कार्यभार सम्भाल लिया है।

क्रम	अधिकारी का नाम	पदोन्नति की तारीख	जिस कार्यालय में पदस्थापित किए गए
सं०	तथा पदनाम	तारीख	पदस्थापित किए गए
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	रति भान पर्यवेक्षक	12-4-78 (पूर्वाह्न)	तकनीकी परीक्षण निदेशालय नं० 1
2.	के० बालकृष्णन पर्यवेक्षक	26-4-78 (पूर्वाह्न)	जलविज्ञान-1 निदेशालय

1	2	3	4
3.	के० एल० खुराना पर्यवेक्षक	29-4-78 (अपराह्न)	तकनीकी परीक्षण निदेशालय-1
4.	एम० एल० बल्ला पर्यवेक्षक	12-4-78 (पूर्वाह्न)	केन्द्रीय मूवा और सामग्री अनुसन्धान-शाला
5.	गुरबचन लाल, पर्यवेक्षक	14-4-78 (पूर्वाह्न)	फाटक और अभिकल्प, निदेशालय-1
6.	के० सी० अग्रवाल, वही	17-4-78 (पूर्वाह्न)	फाटक और अभिकल्प निदेशालय-2
7.	शिव चरन, वही	12-4-78 (पूर्वाह्न)	आयोजन और प्रगति निदेशालय
8.	एस० श्रीनिवासन, वही	17-4-78 (पूर्वाह्न)	तकनीकी परीक्षण निदेशालय-1
9.	आर० के० कटारिया, वही	14-4-78 (पूर्वाह्न)	अन्वेषण वृत्त सं० 1, (केन्द्रीय भंडार प्रभाग)
10.	हरीश चन्द्र यादव, वही	18-3-78 (पूर्वाह्न)	साहिबी अन्वेषण उप प्रभाग सं० 3 (रेवाड़ी)
11.	एम० जगन्नाथन, वही	8-5-78 (पूर्वाह्न)	जल विज्ञान निदेशालय-1
12.	एस० के० कौल वही	29-4-78 (पूर्वाह्न)	चिनाब अन्वेषण उप-प्रभाग 3, कुलू
13.	डी० मजुमदार, पर्यवेक्षक	26-4-78 (पूर्वाह्न)	केन्द्रीय बाढ पूर्वानुमान वृत्त, गौहाटी
14.	के० वी० चन्द्र-शेखरन, वही	18-4-78 (पूर्वाह्न)	सी० एम० आई० उप-प्रभाग, रायपुर।

दिनांक 27 मई 1978

सं० क-19012/687/78-प्रशासन-पांच 1—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री आर० के० भारती, हिन्दी अधिकारी को केन्द्रीय जल आयोग में सहायक सम्पादक (भागीरथ—हिन्दी) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रा०-35-880-40-1000-द० रा०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर 1 मई, 1978 की पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

(2) श्री आर० के० भारती, सहायक सम्पादक (भागीरथ हिन्दी) के पद पर 1 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर होंगे।

(3) श्री आर० के० भारती की सहायक सम्पादक (भागीरथ—हिन्दी) के रूप में नियुक्ति के परिणामस्वरूप

श्री जी० पी० शर्मा, की सेवाये 29-4-78 से उन्हें प्रदान की गई 76 दिनों की छुट्टियों की समाप्ति पर शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय (समाज कल्याण विभाग) की वापिस सौंप दी गई है।

जे० के० साहा, अवसर सचिव

#### केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-22, दिनांक 27 मई 1978

सं० 6/5/78-प्र०-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, एतद्वारा श्री एम० के० घोष, तकनीकी सहायक की केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (वर्ग 'ब') के अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर 1-5-78 (अपराह्न) से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं।

संतोष विश्वास, अवसर सचिव

#### पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

महाप्रबंधक का कार्यालय

(कार्मिक शाखा)

पांडु, दिनांक 25 मई 1978

सं० ई/55/III/97 (0)—(अ) भारतीय रेल-लेखा सेवा के निम्नलिखित को अवसर वर्तमान में उनके नाम के समक्ष निर्दिष्ट तारीख से स्थायी किया जाता है :—

नाम	तारीख जिससे स्थायी किया गया
श्री सुरेश कुमार	28-5-77

(आ) निम्नलिखित अधिकारियों को द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर उनके नाम के समक्ष निर्दिष्ट तारीख से स्थायी किया जाता है :—

नाम	तारीख जिससे स्थायी किया गया
श्री आर० के० दास	15-6-77
श्री जी० पी० वर्मा	1-12-77

म० रा० न० मूर्ति, महा-प्रबंधक

#### विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

#### कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

“कम्पनी अधिनियम 1956 और मनी प्लांट फाईनेन्स एंड चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में”

जालन्धर, दिनांक 23 मई 1978

सं० जी/स्टेट/560/3189/1866—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में

एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मनी प्लांट फाईनेन्स फण्ड चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और स्टैंडर्ड होटलस लिमिटेड के विषय में”

जालन्धर, दिनांक 23 मई 1978

सं० जी/स्टेट/560/3452/1868—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर स्टैंडर्ड होटलस लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से नाम काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और टेली वोइस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में”

जालन्धर, दिनांक 23 मई 1978

सं० जी०/स्टेट/560/2490/1870—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि टेली वोइस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है। और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और नगरोंटा एक्स सर्विमेंट ट्रान्सपोर्ट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में”

जालन्धर, दिनांक 26 मई 1978

सं० जी०/स्टेट/560/2866/1928—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नगरोंटा एक्स सर्विमेंट ट्रान्सपोर्ट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायल  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
प०, हि० प्र० व चंडीगढ़

“कम्पनी अधिनियम 1956 और यू० पी० अलुमिनियम कारपोरेशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में”

कानपुर, दिनांक 24 मई, 1978

सं० 5113/2723-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि यू० पी० अलुमिनियम कारपोरेशन

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि गढ़वाल रोशिन प्राईवेट लिमिटेड का नाम ब्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और स्वान्त चित्र फण्ड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 27 मई, 1978

सं० 5242/2880 एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुरूपण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि स्वान्त चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कश्यप फाइनेन्स चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 27 मई, 1978

सं० 5231/2940 एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुरूप में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि कश्यप फाइनेन्स चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और अनुपम शू कम्पनी प्राइवेट लि० के विषय में।

कानपुर, दिनांक 27 मई, 1978

सं० 5235/2943 एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अनुपम शू कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और डून चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 27 मई, 1978

सं० 5239/2987/एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि डून चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और उपमा प्रकाशन प्राइवेट लि०  
के विषय में।

कानपुर, दिनांक 27 मई, 1978

सं० 5241/2997 एस० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956  
की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा

सूचना दी जाती है कि उपमा प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और शीतल फाइनेन्स एण्ड चिट फण्ड प्राइवेट लि० के विषय में।

कानपुर, दिनांक 27 मई, 1978

सं० 5236/एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि शीतल फाइनेन्स एण्ड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और डालामिया चिट फण्ड एण्ड इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 27 मई, 1978

सं० 5237/3163/एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि डालामिया चिट फण्ड एण्ड इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जन कल्याण ट्रेडिंग एण्ड क्रेडिट फाइनेन्स प्राइवेट लि० के विषय में।

कानपुर, दिनांक 27 मई 1978

सं० 5233/एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि जन कल्याण ट्रेडिंग एण्ड क्रेडिट फाइनेन्स प्रा० लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

एम० एल० शाह  
रजिस्ट्रार आफ कम्पनी  
यू० पी०, कानपुर

भारतीय कम्पनी अधिनियम 1913 और मैसर्स ऐरो पब्लिसिटी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 26 मई, 1978

सं० 1015 लीक्वीडेशन—कम्पनी अधिनियम 1913 की धारा 247 की उपधारा (4) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स ऐरो पब्लिसिटी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जे० गो० गाथा  
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य  
अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स आय लेन्ड इम्पोर्ट एक्सपोर्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 26 मई, 1978

सं० 15261/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स आयलैन्ड इम्पोर्ट एक्सपोर्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स आयलैन्ड इम्पोर्ट एक्सपोर्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स गीवा सेफ्टी रेजर कम्पनी आफ इन्डिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 26 मई, 1978

सं० 6131/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 और गीवा सेफ्टी रेजर कम्पनी आल इन्डिया लिमिटेड के विषय में।

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर गीवा सेफ्टी रेजर कम्पनी आफ इन्डिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

वि० ए० विजयन मेनोन,  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1306/78-79/  
732—अतः मुझे, एन० एस० चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सख्या 4348-बी/1 है तथा जो मदन मोहन स्ट्रीट, 4-सी दरिया गंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भीम गेन गुप्ता, सुपुत्र स्वर्गीय श्री (डा०) हर स्वरूप गुप्ता, निवासी 7301; सर्कल एवेन्यू, 102, रोरिस्ट पार्क, ईल्लिनियस-60130, यू० एस० ए० इनके भाई तथा जर्नल अटार्नी श्री ओम प्रकाश के द्वारा, निवासी 4318, कायस्थान स्ट्रीट, 3-दरिया गंज, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती संतोष कुमारी अग्रवाल, पत्नी श्री बीर सिंह अग्रवाल, निवासी 116, स्टेट बैंक कालोनी, दिल्ली-33 तथा श्री रामा नन्द गुप्ता तथा सदा नन्द गुप्ता, सुपुत्र एल० लाला ग्यानी राम, निवासी डी-5, राना प्रताप बाग, दिल्ली-7। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान जोकि 193.36 वर्ग मीटर या 231.27 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 4348-बी/1 है, मदन मोहन स्ट्रीट, 4-सी, दरिया गंज, नई दिल्ली-110002 में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: मकान नं० 4348-बी/2

पश्चिम: मकान नं० 4348-ए

उत्तर: मकान नं० 4378

दक्षिण: 15 फुट चौड़ी सड़क

(एन० एस० चोपड़ा)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 11, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 25-5-1978

मोहर:

प्रकृप आई०टी०एन०एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़-580004, दिनांक 17 अप्रैल 1978

निर्देश सं० 214/78-79/अर्जन—अतः मुझे, डि० सि० राजगोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1-1166/2 है, जो अग्न से शाहि के सामने है। गुलबर्गा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुलबर्गा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अंडर डाकूमेंट नं० 1099 दिनांक 3-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसार मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शारदाबाई चंदप्पा पाटिल, 17-संकया रोड, सदाशिव नगर, बंगलूर सिटी (अन्तरक)

2. (1) श्री लिंगराज शंतालिंगप्पा पाटिल, मैसर्स शंकरलिंगप्पा एम० पाटिल, के०/ओ० मैसर्स एल० आर० पाटिल, नेहरू गंज, गुलबर्गा,

(2) श्री सहेबगोडा चनम लप्पा पाटिल, R/o डिग्गाव तालुका, चिन्नापुरा, गुलबर्गा-जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दूसरा ममंजलावाल मकान का नं० एम० नं० 1-1166/2 प्लॉट नं० 37, अंबान-ए, शाहि के यहां है। स्टेशन रोड, गुलबर्गा।

डि० सि० राजगोपालन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 17-4-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

कोचिन-16, दिनांक 6 फरवरी 1978

निर्देश सं० एल० सी० 169/77-78—यतः मुझे, सी० पी०

ए० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो त्रिचूर पंचायत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), (रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेल्लाई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-9-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) (i) श्री मारिप्पा गीन्टर (ii) एम० सिन्नारवेलू  
(iii) डा० एम० वालसुब्रमणियन (अन्तर्गक)

(2) (i) श्री वी० जे० जोरज्ज (ii) वी० जी० स्टानली  
(iii) वी० जी० साबू (iv) वी० ए० सान्टो, (v) वी० ए० सणि (vi) जे० इट्टीमारा के द्वारा (अन्तर्गिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7.07 acres of land with buildings in Sy. Nos. 484, 487, 496, 497, 498 and 400 of Thikkur Panchayath.

सी० पी० ए० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 6-2-1978

मोहर

प्रख्य आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० ए० पी० 1805—यतः मुझे, बी० एस० दहिया  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन प्राप्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गोता सिंह नगर  
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अक्तूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में  
सास्तिगत रूप से रुकित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. दी० ईश्वरदा ट्रान्पोर्ट कम्पनी लि०, होशियारपुर  
(द्वारा मोहन सिंह) (अन्तरक)
2. श्री दबिन्द्र कुमार वर्मपाल पुत्र शंकर दास निवासी मोटा  
सिंह नगर जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(यह व्यक्ति, जिसके अधि-  
भोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि  
यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

प्लॉट जैसा कि विलेख नं० 4556 अक्तूबर, 77 का रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया,  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 2-6-78

मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० ए० पी०-1806—यतः मुझे, बी० एस० बहिया  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव धलालखुर्द  
तहसील जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को  
जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—116GI/78

1. श्रीमती गुरमेज कौर, पत्नी चरण सिंह निवासी गांव  
धलाल खुर्द, तहसील जालन्धर। (अन्तरक)  
2. श्री केसर सिंह पुत्र तुलसा सिंह, गुरुनानक पूरा माडल  
टाउन, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है,  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध  
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन जैसा कि विलेख नं० 4775 नम्बर 1977  
के रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० बहिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-6-78.

मोहर :

## प्रारूप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० ए० पी० 1807—यतः मूझे, बी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है, है तथा जो गांव धानाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती गुरमेज कौर पत्नी चरण सिंह गांव धानाल तहसील जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री इन्द्र सिंह पुत्र केसर सिंह, गुरु नानक पुरा माडल टाउन तन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जैसा कि विलेख न० 5121 नवम्बर 1977 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 2-6-78  
मोहर:

प्रकृष प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० ए० पी०/1808—यतः मुझे, बी० एस० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो दीन दयाल उपाध्याय नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारोख अक्टूबर 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य भास्तिबों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धारताः—

1. श्री उमा नन्द शर्मा पुत्र विद्या राम शर्मा, मकान नं० ई एफ 424, कृष्णा नगर, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री देस राज पुत्र मोहन लाल, मार्फत राज बुक डिपो, आऊट साईड भाई हीरा गेट, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारणाः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि विलेख नं० 4535, अक्टूबर 77 के रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-6-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० ए०पी०नं० 1809—यतः मुझे, बी०एस० दहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो ई० एच० 83-84 लाडोवाली रोड जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रारंभ पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्री रजनीत सिंह हरबंस सिंह पुत्र बसंत सिंह खंडीगढ़।  
(अन्तरक)
2. श्री मनबीर सिंह पुत्र मकलंगन सिंह ए० एच० 83-84 लाडोवाली रोड जालन्धर।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जैसा कि विलेख नं० 4851 नवम्बर 1977 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6 फरवरी 1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० ए० पी०—1810—यतः मुझे, बी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो बस्ती बाबा खेल जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

1. श्री गुरबखश सिंह पुत्र लाल सिंह खुष (सैल्फ) या मखित-यारे ग्राम हरबंस कोर (पत्नी) स्वर्णजीत सिंह (पुत्र) श्रीमती राज कवर पत्नी स्वर्ण जीत सिंह बस्ती बाबा खेल जालन्धर ।  
(अन्तरक)

2. श्री हंस राज महाजन एण्ड सन्ज (प्र०) लि० अड्डा बस्ती जी० टी० रोड, जालन्धर  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नम्बर 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान खेती की जमीन के साथ जैसा कि बिलेख नं० 4790 नवम्बर 1977 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-6-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिन्डा

भटिन्डा, दिनांक 24 मई 1978

निर्देश सं० 208/एचएसपी/78-79—यतः मुझे, पी० एन० मलिक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो कोर्ट रोड होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-10-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर धातू:—

1. श्री पूर्ण सिंह पुत्र नारायण सिंह पुत्र सरूप सिंह गांव व डाकखाना देवपुर थाना आदमपुर जिला जालन्धर स्वयं और मुख्तियार आम जान सिंह पुत्र नारायण सिंह, जोगिन्द्र कौर विधवा भाग सिंह सन्तोष कौर, जसवीर कौर, हरदियाल कौर पुत्रियां भाग सिंह, किरपाल सिंह आडाप्टिड सन आफ श्री भाग सिंह पुत्र नारायण सिंह (अन्तरक)

2. श्री सन्तोख सिंह सोहन सिंह और हरभजन सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह गांव और डाकखाना दहकोबाल तहसील होशियारपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नम्बर 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो दुकानें जो कि कोर्ट रोड होशियारपुर में स्थित है और जैसा कि विलेखन नम्बर 2675 माह अक्टूबर, 1977 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भटिन्डा

तारीख: 24-5-78

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 मई 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जुन/402—यतः मुझे, एम० पी० वशिष्ठ,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 19 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 सितम्बर, 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीत :—

1. श्री मुरली मनोहर खण्डेलवाल पुत्र श्री गणेशलाल जी, निवासी विद्याधर का रास्ता, जयपुर। (अन्तरक)

2. श्री विजय चन्द जी लोढ़ा पुत्र श्री भागचन्द जी निवासी कुन्दीगर भैरोजी का रास्ता, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा; जो उस अध्याय में बिना गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट नं० 19, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, गणेश कालोनी, जयपुर जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1615 दिनांक 8-9-77 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

सक्षम प्राधिकारी

अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख: 26-5-78

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर तारीख 26 मई 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/403 यतः मुझे एम० पी०  
वाशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० साकन सम्पत्ति है तथा जो उदयपुर में स्थित है,  
'और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-10-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सख्त में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक  
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पश्चात्:—

1. श्री मदेश बिहारी द्वारा मुख्त्यार ग्राम श्री मुरारी लाल  
पुत्र स्व० श्री गुलजारी लाल भाथुर निवासी 52 गोपालपाड़ी  
जयपुर (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रेम देवी पति श्री नन्द लाल दगरेवा वि सी  
95, भपालपाड़ी उदयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृतिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

धनुसूची

मकान सम्पत्ति (प्रथम मंजिल) में एक तहई हिरसा जो  
असबानी रोड़ देहली गेट के बाहर उदयपुर में स्थित है और उप  
पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 1985 दिनांक 31-10-1977  
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है :

एम. पी. वाशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जयपुर

तारीख : 26-5-78  
मोहर :



प्राकृप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्चन रेज जयपुर

जयपुर तारीख 26 मई 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/404—यत मुझे एम० पी० वाशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिनिमी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में रुकित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4—116GI/78

1 श्री मुरारी लाल पुत्र स्वर्गीय श्री गुलजारी लाल निवासी प्लॉट नं० 52, गोपाल बाड़ी अजमेर रोड जयपुर (अन्तरक)

2 श्री लक्ष्मी लाल पुत्र श्री कन्हैया लाल बागरेचा निवासी 95, मपाल बाड़ी उदयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके स्वयं मन्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

असवानी रोड, देहली गेट के बाहर उदयपुर में स्थित माकन सम्पत्ति (प्रथम मजिल) में एक तिहाई हिस्सा, जो उप पजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 1986 दिनांक 31-10-1977 पर पजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरित है

एम० पी० वाशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्चन रेज, जयपुर

तारीख: 26-5-78

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर तारीख 26 मई 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/405—यतः मुझे  
एम० पी० वाशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा कार है कि स्थावर सम्पत्ति,  
और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो उदयपुर में स्थित है,  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-10-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बनवारी लाल एवं श्री महेश बिहारी द्वारा मुख्त्यार  
आम श्री मुरारी लाल पुन स्व० श्री गुलजारी लाल, गोपाल वाड़ी  
जयपुर (अन्तरक)

2. श्रीमती देऊ बाई पति श्री कन्हैया लाल जी बागरेचा नि०,  
95, भूपालवाड़ी, उदयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

असवानी मार्ग, देहली गेट, के बाहर स्थित माकन सम्पत्ति  
की प्रथम मंजिल, जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रम सं० 1984  
दिनांक 31-10-1977 को पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत  
से विवर्णित है।

एम० पी० वाशिष्ठ  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 26-5-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज, जयपुर

जयपुर तारीख 26 मई, 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/405—यतः मुझे,  
एम० पी० वाशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो उदयपुर में स्थित है,  
(और इससे उपावद्ध अनुसूचा में और पूर्ण न वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकर अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-10-1977  
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269भ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बनवारी लाल द्वारा मुखत्यार ग्राम श्री मुरारी लाल  
पुत्र गुलजारी लाल निवासी 52, गोपालवाड़ी, जयपुर  
(अन्तरक)

2. श्रीमती मोहिनी देवी पति श्री अम्बा लाल बागरेचा  
निवासी 95 भूपालवाड़ी, उदयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए आवश्यकता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी शक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी श्री  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताथरी के पास निवेदन  
में किये जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम में अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
प्रर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

श्री बनवारी लाल ने संबंधित मकान सम्पत्ति, जो अस्वानी  
रोड़, देहली गेट के बाहर, उदयपुर में स्थित है की प्रथम मंजिल में  
एक तिहाई हिस्सा, जो और अधिक विस्तृत रूप में उप पत्रिका  
उदयपुर द्वारा क्रम सं० 1983 दिनांक 31-10-1977 पर पत्रिका  
विक्रय पत्र में विवरणित है।

एम० पी० वाशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 26-5-78  
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 26 मई 1978

निर्देश सं० राज०/आ० आ० अर्जन/407—यतः मुझे, एम० पी० वाशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० डी०-57 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-9-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सरतकुमार क्षुसनुवाला द्वारा श्री कुण कुमार क्षुसनुवाला निवासी क्षुसनुवाला निवास, न्यू कालोनी, जयपुर (अन्तरक)

2. श्री रामचन्द्र एवं श्री ओमप्रकाश गोयनका पुत्र श्री छागमल गोयनका निवासी प्लॉट नं० डी०-185, भृगुमार्ग, बनीपार्क, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पूर्वी तरफ का अध्या हिस्सा, प्लॉट नं० डी-75, धीया मार्ग, बनीपार्क, जयपुर जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा क्रम सं० 1781 दिनांक 23-9-77 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वाशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 26-5-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 26 मई 1978

निर्देश सं० राज०/सहा, आ० अर्जन/408—यतः मुझे, एम० पी० वाशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० प्लॉट नं० 9 सी० है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्री अमृत लाल पुत्र श्री जसराजजी यादव निवासी जयपुर (अन्तरक)

2. श्री सुन्दर लाल पुत्र मोहन लाल जी खभेरा निवासी चोगान स्कीम नं०, 2, उदयपुर (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्लॉट नं० 9 सी०, चोगान स्कीम नं० 2, मधुवन, उदयपुर में स्थित सम्पत्ति जो उप पंजीयक उदयपुर द्वारा क्रम सं० 1960 दिनांक 28-10-1977 द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वाशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 26-5-78  
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज भोपाल

भोपाल, तारीख 6 मई, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एफवी/भोपाल 78-79/994—  
अतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ओर निम्नकी ग० भूमि है, तथा जो नारायण पुर में स्थित है (ओ-इसमें डाबड प्रासूत्री में ओर पुर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नारायण पुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-9-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अभिहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जुगल प्रसाद देवांगन पुत्र श्री नील कंठ प्रसाद, निवासी नारायण पुर, जिला बस्तर (अन्तरक)

2. असीसी शांति भवन द्वारा सिस्टर तेजला फ्रांसिस, नारायण पुर, बस्तर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेव:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची:

4 16 एकड़ भूमि खसरा नं० 981/2 व 982/2 स्थित नारायण पुर जिला बस्तर।

(रा० कु० बाली)

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-5-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 मई, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल 78-79/995—  
अतः, मुझे रा० कु० बालीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान है, तथा जो मुडवाड़ा में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, मुडवाड़ा, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, 19-9-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए,अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—1 श्री धरमूल व मोहन लाल दोनों पुत्र श्री पिटू लाल  
मिथी निवासी विनोबा बाई, मुडवाड़ा जिला जबलपुर

(अन्तरक)

2 श्री गोकुल दास पुत्र श्री सीरुमल व श्री दर्शन लाल पुत्र  
श्री गोकुल मल निवासी हनुमान गंज मुडवाड़ा जिला-जबलपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्यूनिमिपल मकान नं० 184 विनोबा बाई, मुडवाड़ा, जिला-  
जबलपुर

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-5-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मई, 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 47/78-79—यतः मुझे  
के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 3-5-1089/1/ए० है, जो नारायण मुंडा स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-9-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्राव्य उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या  
किया जाता चाहिए था, क्लियर में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डाक्टर गौरी शंकर पलनीतकर मेडिकल पाकटीशनर  
5-2-1026 गैजामशाली पारता हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती एम० आर० सीरा देवी पती एम० रघुनाथ रेड्डी  
3-5-1089/1/ए० नारायणमुंडा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-5-1089/1/ए० वीर्स्टन 193-00 बर्ग यार्ड है  
नारायण मुंडा-हैदराबाद में है रजिस्ट्री इस्तावेज नं० 2644/77  
जैनट रजिस्ट्रार हैदराबाद के कार्यालय में

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-5-1978

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मई, 1978

निर्देश सं० आ० ए० सी० 48/77/78—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1-10-1/1 है, जो आशोकनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-10-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5—116GI/78

1. श्रीमती दवलुरी राधा पती श्री दी०वी० जे० वीटल 7/4 क्लर्क रास्ता रीजीडेंट्स वेनगलूर जीसंका श्री पी० श्रीशवेश्वर राड़ मन्नर-मुक्तार डार है 1-1-644 रावदीनगर हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री दरसी सुदाकर राड पति स्वर्गीय सगयया शारु 1-10/1/1 आशोक नगर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-10-1/1 आशोक नगर हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2706/77 जैनट रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-5-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 मई 1978

निदेश सं० ए० सी० ब्यू० 23/I-1413 (659)/16-7/  
77-78—अतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 794, है तथा जो खाखी जलीया रोड, भायावदर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उपलेटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री दीपक आइल मिल, भायावदर (अन्तरक)

2. श्री अम्बीका आइल मिल, की ओर से भागीदार श्री चन्नु लाल बावनजी तथा अन्य, खाखी जलीया रोड, भायावदर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 3966-2-3 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जो अम्बीका आइल मिल के नाम से प्रख्यात है तथा जिसका सर्वे नं० 794 है तथा जो खाखी जलीया रोड पर, भायावदर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन नं० 27-10-1977 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 999 में दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 16-5-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 मई, 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1506 (660)---अतः  
मुझे एस० सी० परीख  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० ई० पी० नं० 87, है तथा जो भादर रोड, जेतपुर  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 17-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
वृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिशः, अर्थात् :-

1. (1) श्री वरवार श्री भानवाला जगावाला यागनिक रोड,  
सत्यक्रपा भवन, राजकोट,

(2) कुमार श्री मेरामवाला जगावाला, यागनिक रोड,  
सत्यक्रपा भवन, राजकोट

(3) अनोपाबा, जगावाला, मिलन सोसायटी, महिला  
कालेज के पास, राजकोट। (अन्तरक)

2. लोहाना महाजन ट्रस्ट, की ओर में प्रमुख तथा मुख्य  
ट्रस्टी:-

शेठ श्री देवजी भाई भीमजीभाई, फूलवाड़ी, जेतपुर (अन्तरिती)

3. (1) हरशद डाईंग

(2) जमी फेब्रीक्स

(3) श्री बच्चूभाई ठाकरसी

(4) जे० डी० टेक्सटाईल,

(5) जगत टेक्सटाईल

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 521-4 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा  
जिसका ई० पी० नं० 87 है तथा जो भादर रोड जेतपुर में स्थित है  
तथा जिसका पूर्ण वर्णन 17-10-77 वाले विश्वी दस्तावेज नं० 689  
में दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 16-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 मई 1978

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू० 23-I-1500 (663)/16-6/77-78—यतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 476, है तथा जो रेस कर्स के पास, राज कोट में स्थित है और (इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ रैती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीत :—

1. कल्याणजी लक्ष्मीचन्द तथा सन्त, की ओर से भागीदार श्री कल्याणजी लक्ष्मीचंद पंचनाथ प्लाट, राजकोट (अन्तरक)

2. (i) आसूदोमल भावनदास, (ii) श्री डूलोराम डेवनदास, (iii) श्री घनश्याम डेवनदास, (iv) श्री सेवराम डेवनदास, रन्छोठ नगर, सोसायटी, शेरी, नं०-8, राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खूली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 1288 वर्ग गज है तथा सर्वे नं० 476 है, तथा जो रेसकर्स के पास, राजकोट में स्थित है। तथा जिसका पूरण वर्णन 24-10-77 वाले बिन्नी दस्तावेज नं० 2198/77 में दिया गया है।

एस० सी० परीख,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 25-5-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री राम चन्द्र राम (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्री सूरज बली राम (अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

भुवनेश्वर, दिनांक 23 मार्च 1978

निर्देश सं० 69/77-78/आईसी(ए/सी)/बीएसएसआर—

यतः मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी टैजी नं० 2538 है, जो बड़जोत्रा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ्र आसुरेन्स (कलकत्ता) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसा किसी प्राय या कालो गन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन और मकान मौजा-बड़जोत्रा, टैजी नं० 2538, खाता नं० 475/2 प्लॉट नं० 1367/1566 ग्रेड प्लॉट नं० 1367/1567 पर कटक जिला में स्थित है। वह सम्पत्ति रजिस्ट्रार आफ्र आसुरेन्स, कलकत्ता में 26-9-77 तारीख में रजिस्ट्रार हुआ, जिसके डाकुमेंट नं०-आई-4437 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख : 23-3-78  
मोहर :

आरूप आई० टी० एन० एस०—

1. रहमत उल्लाह व अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स स्वास्तिक सुगर्स द्वारा श्री ओम प्रकाश रस्तोगी व अन्य (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 जनवरी, 1978

निर्देश सं० 159-एस/एसीक्यू—यतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मैसर्स इण्डियन ट्रेडर्स की फैक्टरी बिल्डिंग, मशीनरी प्लान्ट, भूमि आदि है तथा जो ग्राम चौधपुर पो० ओ० खास, अमरोहा, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमरोहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-9-1977

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

मैसर्स इण्डिया ट्रेडर्स की फैक्ट्री भूमि, मशीनरी, प्लान्ट, बिल्डिंग आदि स्थित ग्राम चौधपुर पो० ओ० खास, अमरोहा, ग्राम चौधपुर मुरादाबाद।

Land measuring 7.36 acres including Building land, machinery, Plant etc etc situate at vill Chaidhpur, P.O. khas Amroha, Moradabad, and all that which is entered in the late deed and from 37G of No. 3530/77 dated 2-9-77 registered at the office of the subregistrar Amroha.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अमर सिंह बिसेन  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 21-1-1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 मई 1978

निर्देश सं० 5164/आई०जी—यतः मझे, अमरसिंह विशेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 49-क है तथा जो नजरबाग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-9-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री नवल किशोर शर्मा (अन्तरक)
2. श्री सहदेव कुमार नन्दी (अन्तरिती)
3. श्रीमती निर्मला चक्रवर्ती

(यह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान नं० 49-क जिसका क्षेत्रफल 1596 वर्गफुट है जो कि नजरबाग (वेस्टरजंग) (लखनऊ) में स्थित है। जोकि सेलडीड तथा फार्म 36जी नं० 3150 में अंकित है तथा जोकि सब रजिस्टार लखनऊ के कार्यालय में 17-9-77 को दर्ज है।

अमर सिंह विशेन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज,  
57 रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

तारीख : 5-5-78  
मोहरः

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 मई 1978

निर्देश सं० जीएचएल/3/77-78—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० शिव शंकर राइस मिल का हिस्सा है तथा जो पेहोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुहला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1- (i) श्री रघुबीर सिंह श्री जसपाल सिंह पुत्रगण श्री सवरन सिंह

(ii) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री स्वरन सिंह निवासी कोठी नं० 17, टेलर रोड, अमृतसर

(iii) श्री शमशेर सिंह पुत्र श्री धन्ना सिंह निवासी गांव भिखा हरीसिंह तहसील अजनाला जिला अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री कैलाश चन्द्र पुत्र श्री अमर नाथ मसर्स अमर नाथ कैलाश चन्द्र आड़तो अनाज मन्डी, कैथल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

शिव शंकर राइस मिल का हिस्सा जो गांव पेहोवा तहसील गुहला में स्थित है।

“सम्पत्ति जैसे के रजिस्ट्रेशन नं० 1543 में दी गई है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुहला के कार्यालय में 30-9-1977 को लिखी गई।”

रविन्द्र कुमार पठानिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 30-5-1978

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 मई 1978

निर्देश सं० जीएचएल/4/77-78—यतः मझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० शिव शंकर राइस मिल का हिस्सा जिसमें 8 कनाल 2 मरला भूमि भी है, तथा जो पेहोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुहला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6—116GI/78

1. (i) श्री हरबंस सिंह पुत्र श्री किदारा सिंह, (ii) श्री हजूर सिंह पुत्र श्री कूला सिंह, (iii) श्री रणपाल सिंह और (iv) श्री काबल सिंह पुत्रगन श्री हजूर सिंह सभी निवासी गांव सरस्वती खेड़ा तहसील गुहला (अन्तरक)

2. श्री अमर नाथ पुत्र श्री राम किशन, मैसर्स अमर नाथ कैलाश चन्द्र आड़ती, अनाज मन्डी, कैथल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किनो व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शिव शंकर राइस मिल का हिस्सा जिसके साथ 8 कनाल 2 मरला भूमि भी है और जो पेहोवा तहसील गुहला में स्थित है।

“सम्पत्ति जैसे के रजिस्ट्रेशन नं० 1695 में दी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुहला के कार्यालय में 3-11-1977 को लिखी गई।”

रवीन्द्र कुमार पठानिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख: 30-5-1978

मोहर:

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, सोनीपत रोड़ रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 मई 1978

निर्देश सं० जीएचएल/एस/77-78—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० शिव शंकर राइस मिल का हिस्सा 4 कनाल 2 मरला भूमि के साथ है तथा जो पेहोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुहला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्री गुरबख्श सिंह पुत्र श्री जागीर सिंह, (ii) श्री महिन्द्र सिंह और (iii) श्री इकबाल सिंह पुत्रगन श्री गुरबख्श सिंह निवासी गांव सरसवती खेरा तहसील गुहला (अन्तरक)

2. श्री अमर नाथ पुत्र श्री राम किशन मैसर्स अमर नाथ कैलाश चन्द्र झाड़ती अनाज मन्डी, कैथल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शिव शंकर राइस मिल का हिस्सा जिसके साथ 4 कनाल 2 मरला भूमि है और जो पेहोवा तहसील गुहला में स्थित है।

“सम्पत्ति जैसे के रजिस्ट्रेशन नं० 1696 में दी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी महला के कार्यालय में 3-11-1977 को लिखी गई।”

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 मई 1978

निर्देश सं० जीएचएल/77-78—यतः मझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० शिव शंकर राइस मिल का हिस्सा जिसके साथ 6 कनाल 2 मरला भूमि है तथा जो पेहोवा में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुहला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री जसवन्त सिंह पुत्र श्री मेजा सिंह, (2) श्री महाकाली सिंह पुत्र श्री घन्ना सिंह निवासी गांव उरनिया तहसील गुहला जिला कुश्मोला (अन्तरक)

2. श्री अमर नाथ पुत्र श्री राम किशन मैसर्स अमर नाथ कैलाश चन्द्र आड़ती अनाज मन्डी, कैथल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शिव शंकर राइस मिल का हिस्सा जिसके साथ 6 कनाल 2 मरला भूमि है और जो कि पेहोवा तहसील गुहला में स्थित है।

"सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 1720 में दी है और जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुहला के कार्यालय में 8-11-1977 को लिखी गई।"

रवीन्द्र कुमार पठानिया,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड़ रोहतक

रोहतक दिनांक 29 मई 1978

निर्देश सं० जी० एच० एल०/2/77-78—अतः मझे रवीन्द्र कुमार पठानिया,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/5 हिस्सा शिव शंकर राईस मिल है तथा जो पेहोवा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुहला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री मेजा सिंह फरैडज कलौनी टेलर  
 अमृतसर । (अन्तरक)

2. श्री अमर नाथ द्वारा अमर नाथ केलाश चन्द्र कमीशन  
 एजेंट (ब्राह्मती) अनाज मन्डी, कैथल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/5 हिस्सा शिव शंकर राईस मिल मशीनरी और फिटिंगज के समेत जो पेहोवा में स्थित है ।

“सम्पत्ति जैसे के रजिस्ट्रेशन नं० 1499 में दी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुहला के कार्यालय में 21-9-1977 को लिखी गई”

रवीन्द्र कुमार पठानिया,  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेंज रोहतक

तारीख : 29-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 29 मई 1978

निर्देश सं० आर० टी० के०/46/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र  
कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० एम० सी० नं० 52-53-54 वार्ड नं० 17 है तथा  
जो रेलवे रोड, रोहतक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
रोहतक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जय प्रसाद पुत्र श्री शीसर चन्द जैन मकान नं० 4/101  
काठ मन्डी, सोनीपत । (अन्तरक)

2. सर्व/श्री ओम प्रकाश, कृष्ण लाल, वेद प्रकाश तथा सतीश  
कुमार पुत्रगन श्री गनपत राय मकान नं० 78-बी-III, मौहल्ला  
गुरु नानक पुरा, रोहतक । (अन्तरिती)

3. (i) श्री जन्डू 52-53-54 वार्ड नं० 17 रेलवे रोड,  
रोहतक

(ii) श्री दरिया सिंह

52-53-54 वार्ड नं० 17 रेलवे रोड, रोहतक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

सम्पत्ति एम० सी० नं० 52-53-54 जो के वार्ड नं० 17  
रेलवे रोड, रोहतक में स्थित है । जिसका क्षेत्रफल 97 वर्ग गज है ।

“सम्पत्ति जैसे रजिस्ट्रेशन नं० 2345 में दी गई है और जो  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रोहतक में 14-9-1977 को  
लिखी गई ।”

रवीन्द्र कुमार पठानिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 29-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 29 मई 1978

निर्देश सं० सी० एच० डी०/51/77-78—अतः महे रवीन्द्र कुमार पठानिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1568 सैक्टर 7-सी० है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, धन, उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में, अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अजीत सिंह पुत्र श्री तारा सिंह निवासी बलाक ई I/141 लाजपत नगर नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री एच० पी० पाल पुत्र श्री शादी लाल पाल निवासी 1568, सैक्टर, 7-सी० चन्डीगढ़ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मकान नं० 1568 जो के सैक्टर 7-सी० चन्डीगढ़ में स्थित है।

"सम्पत्ति जैसे के रजिस्ट्रेशन नं० 606 में दी है और जो के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में 9-9-1977 को लिखा गया।"

रवीन्द्र कुमार पठानिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, रोहतक

तारीख : 29-5-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 29 मई 1978

निर्देश सं० सी० एच० डी०/103/77-78—अतः मुझे

रवीन्द्र कुमार पठानिया,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 74 सैक्टर 5-ए० है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत :—

1. श्री आर० एन० चौपड़ा पुत्र श्री काशी राम चौपड़ा निवासी एफ० 3/10 वासन्त विहार, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. (i) श्री बी० एन० गुप्ता पुत्र श्री बाबू राम गुप्ता  
(ii) श्रीमति बिमला देवी गुप्ता पति श्री बी० एन० गुप्ता

(iii) श्री विमलिन्द्र गुप्ता तथा

(iv) श्री रजिव गुप्ता पुत्रगण श्री बी० एन० गुप्ता निवासी मकान नं० 74 सैक्टर 5 ए० चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 74 जो कि प्लॉट नं० 70-सी० के ऊपर बना हुआ है। और सैक्टर 5 चण्डीगढ़ में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल 4.07 कनाल है।

“सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रेशन नं० 1229 में दी है। और रजिस्ट्रीकरण अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में 16/2/1978 को लिखी गई।”

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सक्षम अधिकारी,

सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-5-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 मार्च 1978

निदेश सं० 6/सितम्बर/77—यतः मुझे, ए० टी० गोविन्दन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 295 और 295 ए है, वेस्ट माली स्ट्रीट मद्रुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुत्तुमन्डपम (पत्र सं० 455/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1977 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पी० पकजम

(अन्तरक)

2. श्री पी० एस० लोगनाथन और सुलोचना

(अन्तरिती)

3. यूनाइटेड कामरशियल बैंक,

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रुरै, वेस्ट मासी स्ट्रीट, डोर सं० 295 और 295 ए में (एस० सं० 560, 2709 स्क्वायर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

ए० टी० गोविन्दन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 29-5-1978

मोहर :



प्रारूप धारा ० टी० एन० एम०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रजन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 मई 1978

निदेश सं० 3989/सिप्टेम्बर/77—यतः मुझे, के पोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
एवं या अधिक है

और जिनकी सं० 18, इनाम वेंकटराचलम पिल्लै, स्ट्रीट,  
पान्डिचेरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
पान्डिचेरी 'डाकुमेन्ट' 1323/77 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन 5-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अधिनियम में कमो करने या उसमें बढ़ने में सुविधा  
है, और/या,

(ख) ऐसे किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सक्षम के लिए,

1. श्रीमती आन्जेल पेलेरिन, मरिजोजफिन मोलियर,  
(अन्तरक)

2. श्री मती सेलव कल्पना  
(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पान्डिचेरी, इनाम वेंकटराचलम पिल्लै, स्ट्रीट, डोर सं०  
18 में भूमि और मकान।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 26-5-78  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 मई 1978

निर्देश सं० 4425/सिप्टेम्बर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं० मेट्रोपालियम, अन्नाजी राव, स्ट्रीट, डोर सं० 85 और 85-ए में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेट्रोपालियम 'डाकुमेण्ट' 989/77 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पी० बी० ए० मोहम्मद जियाउत्तीन,

(अन्तरक)

2. श्री पी० ए० सैयद, मोहम्मद राउत्तर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मेट्रोपालियम, अन्नाजी राव स्ट्रीट, डोर सं० 85 और 85-ए में भूमि और मकान।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 26-5-78

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 मई 1978

निदेश सं० 4428/सेप्टेम्बर/78—यतः मुझे, के० पोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० तुटियलूर, सर्वे सं० 24/2 से 24/5 तक और  
241 (2.36 1/2 एकड़) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय पेरियनायकम्पालयम 'डाकुमेण्ट' 182/77 में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
सेप्टेम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शर्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री रामकृष्ण मिशन त्रिदयालाया,

(अन्तरक)

2. श्री अल्लिमुन्नु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तुटियलूर गांव में 2-361 1/2 एकड़ (जिसका एस० सं०  
24/1, 24/2, 24/3, 24/4 और 24/5)।

के० पोन्नन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 26-5-78

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 मई 1978

निर्देश सं० 4428/सितम्बर/77—यतः मुझे के० पोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और सिजकी सं० तुडियलूर गांव में 2-00 1/2 एकड़ (एस०  
सं० 23 और 24/1) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
पेरियनायकनालयम (डाकुमेण्ट 183/77) में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रामकृष्ण मिशन विद्यालय

(अन्तरक)

2. (1) ए० मरुदाचलम; और

(2) ए० सिन्नसामि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शब्द  
में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बटूर, तालुका, तुडियलूर, गांव, एस० सं० 23 और  
24/1 में 2-00 1/2 एकड़।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 26-5-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती डी. वसन्ता देवी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री पी० नटराजन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 मई 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 4452/सितम्बर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने मेरे किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० संगनूर पन्चायत, के० मुदुर, राधाकृष्णा ले आउट, कृष्णमाल स्ट्रीट, डोर सं० 40 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधिपुरम, (डाकुमेण्ट 866/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-7-1977

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण में हुई दिनांक आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तव्यों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

कोयम्बेदूर तालुका, संगनूर गांव कुप्पकोन्डाम्पुदुर राधाकृष्णा ले आउट, कृष्णमाल स्ट्रीट, सैट सं० 31 (डोर सं० 40) में 2800 स्क्वायर फीट (मकान के साथ)।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 26-5-1978  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 मई 1978

निदेश सं० 5799/सितम्बर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास-24, पसुमार्ती स्ट्रीट, डोर सं० 14 में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोडम्बावकम  
(डाकुमेण्ट 1277/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 12-9-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों  
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सी० एच० सुशीला रानी, सी० एच० वेंकटेश्वर  
राव,

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश मितर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों 'और' पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

मद्रास 24, पसुमार्ती स्ट्रीट, डोर सं० 14 में 5627 3/4  
स्क्वयर फीट भूमि (मकान के साथ) (टी० एस० सं० 62,  
ब्लॉक सं० 44) ।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 26-5-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 मई 1978

निर्देश सं० 5818/सितम्बर, 77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 5 और 6, डोर सं० 5, ग्रीम्स रोड, मद्रास 6, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर, मद्रास (डाकुमेण्ट 653/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1977 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री एम० मुरुगैस नायकर,  
एम० आनन्दन और  
एम० तिरुनाउक्कगु और  
टी० गोविन्दस्वामी

(अन्तरक)

2. श्रीमती जी अन्नम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5, प्लॉट सं० 5 और 6 में 1/10 अभिन्न भाग और 3421 स्क्वियर फीट का मकान।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मद्रास

तारीख : 26-5-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनांक 26 मई 1978

निदेश सं० 5818/सितम्बर/77—यतः मुझे के० पोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसको सं० मद्रास, ग्रीम्म रोड, डोर सं० 5, प्लॉट सं० 5  
और 6 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
टी० नगर, मद्रास (डाकुमेन्ट 654/77) में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1890 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 77  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किताब जाता बाट्टा था, ज्ञान में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० आनन्दन,  
एम० तिरुनाउक्करसु और टी० गोविन्दसामि  
(अन्तरक)

2. श्रीमती जी० मल्लिका और  
जी० सैतामैर  
(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाभाषमान अन्तरित के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-  
षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, ग्रीम्म रोड, डोर सं० 5, प्लॉट सं० 5 और 6  
में 1/10 अभिन्न भाग और 3421 स्क्वियर फीट का मकान।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 26-5-1978  
मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० 5812/सितम्बर/77—यतः, मुझे, के० पोन्नन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास 6, नुंगम्बाक्कम, रटलन्ड गेट फिफ्त स्ट्रीट, डोर सं० 2 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी नगर, मद्रास (आकुमेन्ट 620/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-9-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
8—116GI77

1. (1) श्री सारा कस्तूरी चन्ड  
(2) डी० जे० के० कार्नेलियस

(अन्तरक)

2. आशा निवास,  
डैयोसीसन शोशियल,  
वैलफेयर सेन्टर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, नुंगम्बाक्कम, रटलन्ड गेट फिफ्त स्ट्रीट, डोर सं० 2 में 5 ग्राउन्ड और 616 स्क्वायर फीट का भूमि (मकान के साथ)।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 30-5-78  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० 5813/सितम्बर/77—यतः, मुझे, के० पोन्नन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 13, नागेस्वर अय्यर रोड, मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी नगर, मद्रास (डाकुमेन्ट 629/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्—

1. श्री ए० अबूबेकर और ए० शेकलाउडिन

(अन्तरक)

2. श्री सी० के० प्रभाकरन पडियात

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 34, नागेस्वर अय्यर रोड, डोर सं० 13 में भूमि और मकान।

के० पोन्नन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 30-5-1978

मोहर:]

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

1. कैप्टन पी० एस० राजन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री पी० के० बहादुर

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 मई 1978

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

निदेश सं० 5816/सितम्बर/77—यतः, मुझे, के० पोन्नन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० मद्रास 34, नुगम्बाक्कम, पुष्पवनम मेयिन  
रोड, प्लॉट सं० 1 (प्रमिसस सं० 16) में स्थित है (और इससे  
उत्पन्न अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, टी नगर, मद्रास (डाकुमेन्ट 641/77)  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

धरा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मद्रास 34, नुगम्बाक्कम, पुष्पवनम, मेयिन रोड, प्रमिसस  
सं० 16, प्लॉट सं० 1, में 2 आउन्ड और 1220 स्क्वायर फीट  
का भूमि (मकान के साथ)।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 30-5-78

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पी० श्याम सुन्दर

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्रीमती एम० बरलक्ष्मि

(अन्तरिती)

द्वारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 30 मई 1978

निर्देश सं० 5824/सितम्बर/77—यतः, मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 110/2 कोडम्बाक्कम है रोड, मद्रास 34 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी नगर, मद्रास (डाकुमेन्ट 691/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आश्रितियों, को, जिन्हें भारतीय घाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

मद्रास, 34, कोडम्बाक्कम है रोड, डोर सं० 110/2 में भूमि और मकान।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 30-5-77

मोहर :

प्राकृत्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 मई 1978

निवेश सं० 8020/सितम्बर/77-यतः मुझे के० पोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० जिन्जी सर्वे सं० 7/1बी, और सक्करापुरम  
गांव एस० सं० 31/2 में भूमि और मकान में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जिन्जी (डाकुमेन्ट 1447/77)  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 26-9-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मादि—

1. श्री सैयद अहमद साहिब

(अन्तरक)

2. श्री एस० एच० सैयद कुन्सूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय  
में दिया गया है।

धनुसूची

जिन्जी सर्वे सं० 7-1बी और सक्करापुरम गांव एस० सं०  
31/2 में भूमि और मकान (8 1/4 सेन्ट) (डाकुमेन्ट 1447/  
77)।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 30-5-78  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० 8021/सितम्बर-77—यतः मुझे, के०  
पोन्नन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जिन्जी चौल्ट्री, स्ट्रीट, है तथा जो सर्वे सं०  
4/7, (भूमि और मकान) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिश्रारी के कार्यालय जिन्जी (डकुमेन्ट 1480/77) में  
रजिस्ट्रीकरण निधनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
30-9-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

वतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की  
अपेक्षा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

1. श्री एम० यूसुफ खान, एम० करीम खान और  
एम० नूरुल्ला

(अन्तरक)

2. एर्कानिया एसोसिएशन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

जिन्जी चौल्ट्री स्ट्रीट, सर्वे सं० 4/7 में भूमि और  
मकान (डकुमेन्ट 1480/77) ।

के० पोन्नन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज मद्रास

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० 8023/सितम्बर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 0/ए, जे० बी० बिल्डिंग्स, टी० एस०  
सं० 3427, महा मारियम्न कोयिल स्ट्रीट, मन्नागुडि में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मन्नागुडि (डाकुमेन्ट  
2137/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 28-9-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्ताना—

1. श्री जे० एस० एम० शेक बटूर्तिन,

(अन्तरक)

2. श्री ए० ए० हाजा मोयदीन, राउत्तर

(अन्त (रं))

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मन्नागुडि, महा मारियम्न कोयिल स्ट्रीट, डोर सं०  
0/ए, (जे० बि० बिल्डिंग्स), 6159 स्क्वायर फीट का भूमि  
(मकान के साथ) (प्लॉट सं० 1, ब्लॉक सं० 54, टी० एस०  
सं० 3427)।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जनवरी, 1978

निदेश सं० 11339/अर्जन/मु० नगर/77-78/6808—यतः, मुझे, आर० पी० भार्गव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मुजफ्फर नगर है, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फर नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-9-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिजों, धर्मात्तः :—

1. श्री बेगराज शर्मा पुत्र बनवारी लाल एवं श्रीमप्रकाश पुत्र बेगराज शर्मा निवासी मकान नं० 43, धेर खत्ती, नई मंडी, मुजफ्फर नगर।

(अन्तरक)

2. सुरेश चन्द, रमेश चन्द एवं सुभाष चन्द पुत्र हरिश्चन्द निवासी मकान नं० 128, मोपा रोड, (दक्षिणी) मुजफ्फर नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 198 साउथ मोपा रोड, नई मंडी, मुजफ्फरनगर 5000 रु० के विप्रेत्य मूल्य में बेचा गया।

आर० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-1-78

मोहर :



प्रकृष आर्द० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 जनवरी, 1978

निदेश सं० 813/अर्जन/आगरा/77-78—7479—यतः  
मुझे, आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ..... है तथा जो ..... में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1977  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. रुकमनी बाई विधवा स्वर्गीय श्री मथुरा दास,  
सदर भट्टी, आगरा ।

(अन्तरक)

2. श्री नन्द किशोर पुरी पुत्र श्री परमानन्द पुरी  
निवासी शंकर मार्केट, पीपल मन्डी, आगरा व  
राजकुमार पुरी पुत्र परमानन्द पुरी, निवासी कृष्णा  
कालोनी, आगरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान न० 17/296 व 17/296/1 स्थित  
सदर भट्टी रकबागंज, वार्ड आगरा जोकि 75000 रु० में  
बेची गयी ।

आर० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 30-1-78

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी, 1978

निदेश सं० 10809/अर्जन/हापुड़/7778/7499—यतः  
मुझे आर० पी० भार्गव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है,  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के  
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हापुड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 2-9-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य वास्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रनः पब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. माधो कृपाल पुत्र स्वर्गीय दाउ दयाल निवासी रेवती कुंज,  
हापुड़, जिला गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री राज कृपाल पुत्र बनवारी लाल निवासी बुर्ज, हापुड़,  
जिला गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान तीन भागों में स्थित रेवती कुंज,  
रेलवे रोड, हापुड़ 27000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 31-3-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी, 1978

निदेश सं० 10819/अर्जन/हापुड़/7778/7513—यत्.

मुझे आर० पी० भार्गव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के  
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हापुड़  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
2-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रति, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जनार्दन कृपाल पुत्र दाउ दयाल,  
निवासी रेवती कुंज, हापुड़, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री सुनील कुमार पुत्र राज कृपाल  
निवासी बुर्ज, हापुड़, गाजियाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अबल सम्पत्ति मकान तीन भागों में स्थित रेवती कुंज,  
रेलवे रोड, हापुड़ 27000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 31-1-78  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1978

निदेश सं० 1082-A/अर्जन/हापुड़/7778/7512—यतः मुझे आर० पी० भार्गव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हापुड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-9-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अय अस्तित्वों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्ता :-

1. श्रीमती गुलाब बाई पत्नी स्वर्गीय जगदीश कृपाल निवासी रेवती कुंज रेलवे रोड, हापुड़, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री राज कृपाल पुत्र बनवारी लाल एवं सुनील कुमार पुत्र राज कृपाल निवासी बुर्ज हापुड़, गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अवल सम्पत्ति मकान दो भागों में स्थित रेवती कुंज रेलवे रोड, हापुड़, जिला गाजियाबाद 26000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-78

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 जून 1978

निदेश सं० 1461-A/अर्जुन/हरिद्वार//7778/1082--यसः

मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-9-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री रामप्रसाद पुत्र हीरा

निवासी ग्राम व पोस्ट भोगपुर प० ज्वालापुर, तहसील रुड़की, जिला सहारनपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री दर्शन सिंह एवं जागीर सिंह पुत्र एस० सुन्दर सिंह निवासी ग्राम नूनावाला, पोस्ट भानियावाला, जिला देहरादून ।

वर्तमान : ग्राम भोगपुर प० ज्वालापुर, त० रुड़की जिला सहारनपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त, अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल संपत्ति कृषि भूमि 19 बीघा 10 बिस्वा, एवं 3 बिस्वांसी, स्थित ग्राम भोगपुर परगना ज्वालापुर, त० रुड़की जिला सहारनपुर 55000 रु० के विषय मूल्य में बेची गयी ।

आर० पी० भार्गव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख : 2-6-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 22 मार्च 1978

सं० 635—यतः मुझे, एन० के० नागराजन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिनकी सं० 3 है, जो वन्निवर्तीपाडु में स्थित है (और इससे  
उपरोक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय गुड्डिवाडा, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-9-77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह तिहाय  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी काने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

1. (1) श्री एस० रंगराव  
(2) श्री एस० महालक्ष्मी  
(3) श्री एस० रामकृष्णाराव  
(4) श्री एस० रामणाराव  
(5) श्री पि० सत्यवतम्मा गुड्डिवाडा

(अन्तरक)

2. श्रीमती आकुराति प्रभावति  
गुड्डिवाडा, ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अनुच्छेद 20-ए में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अनुच्छेद में दिया गया है।

अनुसूची

गुड्डिवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत 30-9-77  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3374/77 में निगमित अनुसूची में  
सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 22-3-78

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

1. श्री एन० भीमेश्वर, राजामपेटा

(अन्तरक)

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

(1) के अधीन सूचना

2. (1) डि० वेकटाराधाकृष्ण मूती ।

(2) डि० कनकाव कचिकयली

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 22 मार्च 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

सं० 637—यतः मुझे, एन० के० नागराजन  
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 568 है, जो कथिकयेकी गाव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नदिगामा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-9-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 22) के अधीन अन्तरण द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नदिगामा रजिस्ट्री अधिकारी से पीक्षिक अन्त 15-9-77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

प्रतः प्रतः, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 22-3-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 20 अप्रैल 1978

सं० 663—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० आर० नं० 313/2 जो बुद्धवरम में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गन्तवरम में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
19 सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, क्रियान्वे में  
सुविधा के लिए;

अतः पत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सारा में है, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री जि० राधा सुब्बाराव
- (2) श्री जि० लक्ष्मी श्रीनिवास नागेन्द्र प्रसाद
- (3) श्री जि० कोदन्डा रामय्या बुद्धवरम।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुकरा विजयकुमारी,  
भिलाप नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

गन्तवरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-9-77 में  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 2821/77 में निगमित अनुसूची  
सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 20-4-78  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

4/14क, आसफ़अली मार्ग, नई दिल्ली

अर्जन रेंज,

दिल्ली-1, दिनांक 2 अप्रैल 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/159/आक्टूबर-1/(9)  
/77-78—अतः मुझे जे० एस० गिल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269(1)  
के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11-जे/20-बी है तथा जो लाजपत नगर,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन 12-10-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय को बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

10—116GI/78

1. श्री केशू दास, सुपुत्र श्री साधुराम  
निवासी 13, बासदेव नगर, अन्धा मुगल, दिल्ली-1  
इनके जनरल अटारनी श्रीमती रक्षा रानी के द्वारा,  
पत्नी श्री ओंकार नाथ सेठी, निवासी 11-जे/20-बी,  
लाजपत नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री दबिन्द्र कुमार सेठी, सुपुत्र श्री ओंकार नाथ सेठी  
निवासी 11-जे/20-बी, लाजपत नगर, नई दिल्ली-24  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

मकान जोकि 100 वर्ग गज क्षेत्रफल के ऊपर बना हुआ है,  
जिसका नं० 11-जे/20-बी है, लाजपत नगर, नई दिल्ली-24  
में है ।

जे० एस० गिल

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली

नई दिल्ली-1

तारीख 2-6-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-ब(1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/1/219/नवम्बर-11  
 (11) /77-78—अतः मुझे जे० एस० गिल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एम-210 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई  
 दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण  
 रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
 के अधीन दिनांक 21-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
 के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
 सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
 अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
 उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुधांशु सैंगल, सुपुत्र श्री जे० पी० सैंगल,  
 निवासी 38, जवाहर नगर, दिल्ली-7  
 (अन्तरक)

2. श्री प्रदीप अवस्थी तथा श्री तरुण अवस्थी,  
 सुपुत्र श्री मदन मोहन अवस्थी, निवासी 4859/ए, हरबंस  
 सिंह स्ट्रीट, 24, दरिया गंज, नई दिल्ली-110002  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
 बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
 में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्तृताकारी के  
 पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
 भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
 में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका प्लॉट नं० 201, ब्लॉक नं० 'एम'  
 है और क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है, निवासी कालोनी  
 ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के बाहपुर गांव दिल्ली की यूनियन  
 टैरीटरी, दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत निम्न  
 प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सर्विस लेन  
 पश्चिम : रोड  
 उत्तर : प्लॉट नं० एम-199  
 दक्षिण : प्लॉट नं० एम-203

जे० एस० गिल  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन-रेंज, दिल्ली

तारीख : 2-6-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० आई०ए० सी०/क्यू०/1/34/सितम्बर-1(18)/  
77-78—अतः मुझे जे० एस० गिल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ई-511 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-9-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बचिन्द्र कुमार आनन्द सुपुत्र श्री ए० आर० आनन्द, निवासी 19, साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली। इनके अटारनी श्री चमन लाल बोहरा के द्वारा सुपुत्र श्री शाम दास बोहरा, निवासी ई-10/5, वसन्त विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सतीष कुमार लखीना, सुपुत्र श्री चरण दास लखीना, तथा श्रीमती रीता लखीना, पत्नी श्री मतीश कुमार लखीना, निवासी- जी-47, कालकाजी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आदेश—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका नं० ई-511 है और क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है, निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत राजस्व ईस्टेट के बाहपुर गांव, दिल्ली की यूनियन बैरीटरी में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड  
पश्चिम : सर्विस लेन  
उत्तर : मकान नं० ई-513  
दक्षिण : मकान नं० ई-509

जे० एस० गिल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, दिल्ली

तारीख : 2-6-78  
मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 20th April 1978

No. A.32013/2/77-Admn.I(i).—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri V. N. Vaidyanathan, Assistant Planning Officer in the Directorate General, A.I.R., and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 17-4-1978 to 15-7-1978 or until further orders, whichever is earlier, *vide* proviso to Regulation 4 read with Regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958, amended upto date.

No. A.32013/2/77-Admn.I(ii).—Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Dr. R. Bhaskaran, Lecturer in the Calicut Regional Engineering College, Calicut and officiating as Under Secretary in the office of the Union Service Commission to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 17-4-1978 to 15-7-1978 or until further orders whichever is earlier, *vide* proviso to Regulation 4 read with Regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958, amended upto date.

The 1st May 1978

No. A.32013/2/77-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Dr. D. N. Prasad, Associate Professor of the NDRI and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission to the post of Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 1-5-1978 to 31-7-1978 or until further orders, whichever is earlier, *vide* proviso to Regulation 4 read with Regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958, amended upto date.

P. N. MUKHERJEE

Under Secy.

for Chairman

Union Public Service Commission

New Delhi, the 18th April 1978

No. A.32013/1/77-Admn.I.—In supersession of this office notification of even no. dated 24-12-77 the President has been pleased to appoint the following permanent officers of the Section Officer Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No., Name and Period.

1. Shri Vir Singh Riat, 3-10-1977 to 2-1-1978.
2. Shri R. R. Ahir, 5-10-1977 to 31-12-1977.

The 1st May 1978

No. P/1879-Admn.I.—The Services of Dr. S. P. Bhatnagar, formerly Reader in the University of Delhi and officiating as Deputy Secretary, Union Public Service Commission are replaced at the disposal of the University of Delhi, with effect from 1-5-1978 (FN).

The 5th May 1978

No. A.32013/1/77-Admn.I.—In partial modification of this office notification of even No. dated 21-1-78, the President has been pleased to appoint Shri V. S. Riat officiate in Grade I of CSS for the period from 3-1-78 to 4-2-78 (AN).

P. N. MUKHERJEE

Under Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 11th May 1978

No. A.32014/1/78-Admn.III(1).—The President is pleased to appoint Shri R. K. Jasuja, a permanent Assistant of the

Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 48 days from 1-5-78 to 17-6-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(2).—The President is pleased to appoint Shri S. N. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 48 days from 1-5-78 to 17-6-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(3).—The President is pleased to appoint Shri Jai Narain, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 2-5-78 to 16-6-78 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE

Dy. Secy.

(Incharge of Administration),

Union Public Service Commission.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DEPTT. OF PERSONNEL &amp; A. R.

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 26th May 1978

No. A-19021/5/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri L. C. Amarnathan, IPS (1967-Orissa) as Supdt. of Police, C.B.I. (S.P.F.) with effect from the forenoon of 10-3-78 on deputation basis and until further orders.

Shri B. B. Panda, IPS (Orissa) relinquished charge of the Office of Supdt. of Police, C.B.I., Bhubaneswar on the forenoon of 10-5-78. His services have been placed back at the disposal of the State Govt.

K. K. PURI

Deputy Director (Admn.),

C.B.I.

New Delhi, the 24th May 1978

No. B-6/69-Ad.V.—The services of Shri B. M. Wagh, Dy. Supdt. of Police in C.B.I. and an Officer of the Maharashtra State Police are placed back at the disposal of State Police with effect from Afternoon of 30-4-78.

V. P. PANDEY

Administrative Officer (A)

C.B.I.

New Delhi, the 27th May 1978

No. PF/V-63/73-Ad.I.—On attaining the age of superannuation at the age of 58 years Shri V. G. Rane, Inspector of Police, on deputation from Maharashtra Police, has been relieved of his duties in the Central Bureau of Investigation GOW Bombay with effect from the afternoon of 30-4-1978.

JARNAIL SINGH

Administrative Officer(E) C.B.I.

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 24th May 1978

No. 10/13/76-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri B. Satyanarayana, an Investigator in the office of the Director of Census Operation, Andhra Pradesh, and presently working as Assistant Director of Census Operations (Technical), on *ad hoc* basis, in the office of the Director of Census Operations, Karnataka at Bangalore, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Karnataka, with his headquarters continue to be at Bangalore, on regular basis, in a

temporary capacity, with effect for the forenoon of 10 April, 1978, until further orders.

2. He relinquished Charge of the post of Assistant Director of Census Operations (Technical), held by him on *ad hoc* basis, with effect from the same date.

No. 10/9/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri E. Ramaswamy, an Investigator (Social Studies) in the office of the Registrar General, India as Research Officer (Social Studies) in the same office on a purely temporary and *ad hoc* basis for a period of six months with effect from the forenoon of 1st April, 1978 or until further orders, whichever is earlier.

The 25th May 1978

No. P/B(1)-Ad.I.—Shri Badri Nath relinquished charge of the office of the Deputy Registrar General (Census), India on the forenoon of 1st May 1978, on attaining the age of superannuation.

No. P/P(35)-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 8-2-1978 the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of Shri K. N. Pant, a permanent Hindi Translator in the Secretariat of Election Commission of India, as Hindi Officer in the office of the Registrar General, India by transfer on deputation upto 30 June 1978, with effect from 1st April, 1978, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Pant will continue to be at New Delhi.

P. PADMANABHA  
Registrar General, India

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL CENTRAL REVENUE

New Delhi, the 30th May 1978

No. Admn.I/O.104/5-5/Promotion/78-79/346.—The Accountant General, hereby appoints the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officers, with effect from the afternoon of 3rd May, 1978 until further orders.

Sl. No. & Name.

1. Shri Sarup Singh.

K. H. CHHAYA  
Sr. Dy. Accountant General (Admn)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 19th May 1978

No. Admn.I/62.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to promote the following permanent Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200, with effect from the dates noted against each :—

S/Shri

1. R. N. Chakravarty (02/0234) 6-5-78 Forenoon.
2. Sukhan Singh (02/0235) 6-5-78 Forenoon.
3. N. S. Vaidya (02/0236) 9-5-78 Forenoon.
4. M. C. Lokre (02/0237) 9-5-78 Forenoon.

KRISHAN GOPAL  
Senior Deputy Accountant General  
(Administration)

#### MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE  
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES  
Calcutta-16, the 26th May 1978

No. 18/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri P. K. De, Offg. T.S.O. (Subst. & Permt.

S.A.), retired from service with effect from 31st March, 1978 (A/N).

No. 21/G/78.—The following amendment is made to this Directorate General Notification No. 381/G/77 dated the 26th July, 1977 :—

At Sl. No. 18

For : Shri Muralleedhar Singh, AM (On Prob)—19th March, 1977.

Read : Shri Murli Dhar Singh, AM (On Prob)—19th March, 1977.

No. 22/G/78.—The following amended is made to this Directorate General Notification No. 39/G/77 dated the 26th July, 1977 :—

At Sl. No. 25

For : Shri M. N. Roy, Offg. F'Man—25th April 1977.

Read : Shri Manindra Nath Ray, Offg. F'Man—25th April, 1977.

No. 23/G/78.—The following amendment is made to this Directorate General, Notification No. 78/G/77 dated the 24th November, 1977 :—

At Sl. No. 9.

For : Shri H. L. Sharma, Pt. Dy. Manager—11th July, 1977.

Read : Shri H. L. Sharma, Pt. Dy. Manager—30th June, 1977.

V. K. MEHTA  
Assistant Director General, Ordnance Factories

#### MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

#### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 24th May 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/994/72-Admn(G)/3757.—On attaining the age of superannuation Shri K. D. Sharma, an officer officiating in the Section Officer's Grade of the CSS relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of 30th April, 1978.

The 26th May 1978

No. 6/302/55-Admn(G)/3795.—The President is pleased to appoint Kumari S. K. Grewal, Deputy Chief Controller of Imports and Exports (Non-CSS) as Joint Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi purely on *ad hoc* and temporary basis for a further period from 1st January, 1978 to 3rd January, 1978.

K. V. SESHADRI  
Chief Controller of Imports and Exports

#### MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

#### OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 17th April 1978

No. A-19018(327)/77-Admn(G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President

is pleased to appoint Shri K. V. K. Raju, as Assistant Director (Gr. I) (Glass/Ceramics) in the Small Industries Development Organisation w.e.f. the afternoon of 23-3-1978 until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri K. V. K. Raju has assumed charge as Assistant Director (Gr. I) (Glass/Ceramics) in the Process-cum-Product Development Centre, Ranchi w.e.f. the afternoon of 23-3-1978.

The 18th April 1978

No. A-19018(103)/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Madan Lal, (Gr. III of I.E.S.) as Deputy Director (EI) in the Small Industries Development Organisation w.e.f. the forenoon of 21-3-78 until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri Madan Lal relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (EI) at SISI, New Delhi w.e.f. the afternoon of 10-3-78 and assumed charge as Deputy Director (EI) in the SISI, Gauhati, w.e.f. the forenoon of 21-3-78.

The 26th April 1978

No. 12(282)/61-Admn.(G).—Shri J. V. Bapuraj relinquished charge of the post of Director (Gr. I) (AEE) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi w.e.f. the afternoon of 15-4-78 to proceed on deputation as Technical Adviser to the Government of Tanzania under the SCAAP.

No. 12/596/68-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. M. R. Zaidi, a Grade III officer of the I.E.S. and Deputy Director in Small Industry Development Organisation as Director (Gr. II) (EI) in the Small Industry Development Organisation for the period from 24-10-77 to 10-1-78 on *ad hoc* basis.

2. Consequent upon his appointment Shri S. M. R. Zaidi, relinquished charge of the post of Deputy Director, (E I) in the office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi, w.e.f. the forenoon of 24-10-77 and assumed charge as Director (Gr. II) (EI) in the O/c. DCCSI, New Delhi w.e.f. the forenoon of 24-10-77.

The 27th April 1978

No. 12/676/70-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri G. Raman, Director (Mechanical) as Industrial Adviser (Modernisation) in the S.I.D.O. w.e.f. the forenoon of 15-4-78 until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri G. Raman relinquished charge of the post of Director (Mechanical) in the Office of the DCSSI, New Delhi, w.e.f. the forenoon of 15-4-78 and assumed charge as Industrial Adviser (Modn.) in the Office of the DCSSI, New Delhi w.e.f. the forenoon of 15-4-78.

No. A-19018/70/73-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Deputy System Adviser, Directorate of Organisation and Management Services (Income Tax) New Delhi, Shri R. P. Mehta, relinquished charge of the post of Deputy Director (Data Bank) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the afternoon of 31-3-78.

V. VENKATRAYULU  
Deputy Director (Admn.)

#### OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 26th May 1978

No. Jute(A)/147/65.—In continuation of this office Notification of even number dated 24-4-78 the Jute Commissioner hereby extends appointment period of Shri S. K. Hajra, Inspector (Non-Technical) as Assistant Director (Exports) Group 'B' (Gazetted) in the Scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on an *ad hoc* officiating capacity in this office w.e.f. 30-4-78 (F/N) to 11-5-78 (A/N).

K. K. BANERJEE  
Administrative Officer

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

##### (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 25th May 1978

No. A-1/1(344).—Shri G. S. Kulashreshtha, permanent Director in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 30th April, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

SURYA PRAKASH  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

#### ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

##### (KHAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 25th May 1978

No. 3718/B/2251(CTG)/19B.—Shri C. T. Gurumukhi received the charge of the post of Driller in the Geological Survey of India on reversion from M.E.C. Ltd. in the same capacity with effect from the forenoon of 30th January, 1978.

No. 3732/D/2251(CTG)/19B.—Shri C. T. Gurumukhi, Driller, Geological Survey of India has been released from the services of Geological Survey of India with effect from the afternoon of 28th February, 1977 enabling him to join the post of Asstt. Drilling Engineer in Mineral Exploration Corporation Limited.

The 27th May 1978

No. 3786/B/1734(4)/77/19 C.—The following temporary officers of the Geological Survey of India are declared Quasi-Permanent in the grade and with effect from the dates as shown against their names :—

Sl. No.	Name	Designation	Date from which declared quasi-permanent
1	2	3	4
1.	Shri R.N. Pal	Assistant Geologist	12-2-71
2.	Shri S. Chakraborty	Do.	3-11-74
3.	Shri R. K. Bando-padhyay	Do.	22-9-74
4.	Shri M. Shanmugam	Do.	7-1-73
5.	Shri Dipankar Sen	Do.	26-10-74
6.	Shri S. A. Pandhare	Do.	12-2-71
7.	Shri K. R. Ramachandran	Do.	1-3-71
8.	Shri B. O. Thakker	Do.	25-10-75
9.	Shri Ashis Kumar Roy	Do.	1-9-75
10.	Shri T. Sreenivasa Rao	Do.	25-8-75
11.	Shri Darshan Kumar	Do.	15-9-75
12.	Shri P. Narasinga Rao	Do.	27-11-75
13.	Shri Shyamal Kumar Biswas	Do.	26-8-75
14.	Shri S. R. Prasad	Do.	20-6-75
15.	Shri Biman Debnath	Do.	25-8-75
16.	Shri B. Madan Mohan	Do.	4-5-76
17.	Shri A. K. Relan	Do.	19-8-75
18.	Shri Alokesh Nandi	Do.	21-6-75

1	2	3	4
19.	Shri C. P. S. Parihar .	Assistant Geologist	21-4-76
20.	Shri B. Tirkey .	Do.	19-8-75
21.	Shri A. K. Malhotra .	Do.	14-8-75
22.	Shri N. S. Venkatesh .	Do.	7-9-75
23.	Shri R. K. Arora .	Do.	4-8-75
24.	Shri S. T. Sambandan .	Do.	4-9-75
25.	Dr. M. S. Mahawal .	Do.	5-10-75
26.	Shri J. S. Jamwal .	Do.	27-8-75
27.	Shri Sujit Das Gupta .	Do.	3-12-76
28.	Shri Sujit Ranjan Sen Gupta .	Do.	14-12-76
29.	Shri Saeed A. Khan .	Do.	14-2-77
30.	Shri S. K. Singh .	Do.	18-1-77
31.	Shri R. C. Bhandari .	Do.	15-4-77
32.	Shri M. Tiwari .	Do.	8-4-77
33.	Shri S. K. Srivastava .	Do.	15-11-76
34.	Shri P. Gopal Krishna Bhat .	Do.	31-10-76
35.	Shri D. N. Bandyopadhyay .	Do.	8-2-77
36.	Ku. Kalpana Sen .	Do.	29-11-76
37.	Shri Amitava Sen .	Do.	22-11-76
38.	Shri P. M. Dutta .	Do.	30-3-77
39.	Shri P. Chakraborty .	Do.	27-11-76
40.	Shri Sunil Kumar Dass .	Do.	6-2-77
41.	Shri Jibitesh Bhattacharyya .	Do.	26-3-77
42.	Shri K. Narasimha Rao .	Do.	1-4-75
43.	Shri R.S. Tulsi .	Assistant Chemist	25-9-73
44.	Dr. Subhas Chandra .	Do.	8-11-74
45.	Shri N.K. Sinha .	Do.	23-3-77

V. S. KRISHNASWAMY, Director General

#### NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi, the 27th March 1978

No. F.11-9/78-A.1.—Consequent on the retirement of Shri L. D. Ajmani Administrative Officer with effect from 31-5-78 (AN), Shri B. S. Kalra, Superintendent is appointed to officiate as Administrative Officer (Group 'B' Gazetted) on purely *ad hoc* basis with effect from the forenoon of the 1st June, 1978 and until further orders. This *ad hoc* appointment will not confer any right or claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

S. N. PRASAD

Director of Archives,  
Government of India.

#### DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 17th May 1978

No. 10/137/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri S. S. Jeevanram to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Gorakhpur with effect from 28-4-78.

HARJIT SINGH

Deputy Director of Administration  
for Director General

#### MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 23rd May 1978

No. A.12026/1/78-Admn.I.—In continuation of this Division's Notification No. A.12026/1/78-I dated 15th Feb. '78,

Director, Publications Division is pleased to allow Shri G. D. Madan, a permanent Senior Accountant, to continue to officiate as Accounts Officer on *ad hoc* basis in this Division vice Shri K. C. Singhal, Accounts Officer, granted extension of leave for the period from 30th April, 1978 to 9th June, 1978.

No. A.12026/2/78-Admn.I.—Director, Publications Division is pleased to appoint Shri D. C. Gupta officiating Business Executive to officiate as Assistant Business Manager vice Shri Ishwar Chandra, Assistant Business Manager in the Division granted leave for the period from 24-4-78 to 9-6-78.

2. This *ad hoc* appointment will not bestow on Shri Gupta a claim for regular appointment in the grade of Assistant Business Manager. This service also will not count for the purpose of seniority in that grade.

The 26th May 1978

No. A.12026/2/78-Admn.I.—In continuation of this Division's Notification No. A.12026/2/78-Admn.I. dated 13-4-78 Director, Publications Division is pleased to allow Shri S. C. Jain, to continue to officiate as Assistant Business Manager on *ad hoc* basis beyond 12-5-78 vice Shri R. B. Singh, Assistant Business Manager granted leave for the period from 2-5-1978 to 1-7-1978.

INDRAJ SINGH

Deputy Director (Admn.)  
for Director

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 19th May 1978

F. No. A.12025/8/77-SI.—The Directorate General of Health Services is pleased to appoint Shri Sujit Kumar Sarkar in the post of Chemist (Group B-Gazetted) in the Government Medical Store Depot, Calcutta, with effect from the forenoon of the 27th March, 1978 and until further orders. This Directorate Notification No. A.12025/8/77-SI dated 18-4-1978 is hereby cancelled.

SANGAT SINGH

Deputy Director Administration (Stores).

New Delhi, the 20th May 1978

No. A.12023/14/76(WH)Admn.I.—Consequent on her appointment to the post of Junior Research Officer in Safdar-jang Hospital, New Delhi Dr. (Smt.) Swarn Lata Kapoor relinquished charge of the post of Assistant Bio-Chemist in Dr. Ram Manohar Lohia Hospital New Delhi with effect from the afternoon of the 14th April, 1978.

No. A.19020/59/77-Admn.I.—On attaining the age of superannuation Smt. Latika Sengupta, Lecturer in Psychology at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi, retired from service on the afternoon of 30th April, 1978.

The 26th May 1978

No. 6-19/77-DC.—The President is pleased to appoint Shri P. G. Ray, Technical Officer (Bacteriology), Central Drugs Laboratory, Calcutta, to the post of Bacteriologist, in the same laboratory with effect from the forenoon of 4th May, 1978 on an *ad hoc* basis and until further orders.

Shri P. G. Ray relinquished charge of the post of Technical Officer (Bacteriology) on the same day.

S. L. NUTHIALA

Deputy Director Administration (O&M).

#### MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 26th May 1978

No. A.19015/21/77-Estt.I.—On attaining the age of superannuation, Shri Sansar Chand Sud, relinquished the charge

of the post of Desk Officer in the Ministry of Health and Family Welfare on the forenoon of the 1st May, 1978.

P. L. JOSHI  
Under Secy.

### KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA

(KRISHI VIBHAG)

### VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 24th May 1978

No. F.5-24/78-Estt.(I).—The *ad hoc* appointment of Shri P. B. Dutta in the post of Assistant Exhibition Officer (visuals) is further continued beyond 28th February, 1978 and upto 31st August 1978.

I. J. KAPUR  
Director of Administration

### (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

### DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 24th May 1978

No. A. 19025/68/78-A. III.—Shri H. N. Rai, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Unjha, with effect from 11-5-78 (A.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A. 19025/74/78-A. III.—Shri S. D. Kathalkar, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Ahmedabad, with effect from 8-5-78 (F.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A. 19025/76/78-A. III.—Shri R. K. Pande, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing and Inspection at New Delhi, with effect from 20-4-1978 (F.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

The 26th May 1978

No. A. 19025/64/78-A. III.—Shri Nand Lal Singh, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Chandigarh, with effect from 3-5-78 (F.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A. 19025/67/78-A. III.—Shri Dinesh Pratap Singh, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing and Inspection at Chandigarh, with effect from 3-5-1978 (F.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

V. P. CHAWLA  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser

### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 19th May 1978

No. DPS/1/1(6)/77-Ad./14236.—Shri N. R. Vijayan, Assistant Stores Officer, Transport and Clearance Unit, Madras Regional Purchase Unit of this Directorate stands redesignated as Assistant Purchase Officer with effect from June 1, 1977.

K. P. JOSEPH  
Administrative Officer

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 17th April 1978

No. A. 32013/2/77-EW.—In continuation of this office Notification No. A. 32013/2/77-EW, dated 5-1-78, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri H. C. Rai Chowdhury, in the grade of Deputy Director (Fire) for a further period of six months with effect from 30-12-77 or till regular appointment to the grade is made whichever is earlier and to post him at the Headquarters.

The 26th May 1978

No. A. 32013/9/77-EC.—In continuation of this Department Notfns, No. A. 32013/9/77-EC dated 6-12-77, No. A. 32013/9/77-EC dated 11-1-78, No. A. 32013/9/78 dated 2-5-78, and No. A. 32013/9/77-EC dated 2-5-78, the President is pleased to continue the *ad-hoc* appointment of the following Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer in the Civil Aviation Department upto 31-7-78 or till the regular appointments to the grade are made, whichever is earlier :—

S. No.	Name	Station of Posting
S/Shri		
1. S. K. Sharma	A.C.S. Palam.	
2. V. C. Reddy	Radio Const. & Dev. Units, New Delhi.	
3. D. K. Sharma	Regional Office, Safdarjung Airport, New Delhi.	
4. D. P. Agnihotri	C.A.T.C. Allahabad.	
5. B. Ramakrishnan	A.C.S. Calcutta.	
6. K. N.K. Poduwal	A.C.S. Bombay	
7. A. K. Tikoo	C.A.T.C. Allahabad.	
8. D. B. Sud	A.C.S. Safdarjung Airport, New Delhi.	
9. P. S. Venkataraman	A.C.S. Nagpur.	
10. T. R. Shastri	A.C.S. Bombay.	
11. M. Aruldoss	Regional Office, Madras.	
12. T. N. Mehta	R.C.D.U., New Delhi.	
13. K. Chandrachudan	A.C.S. Madras.	
14. R. P. Mohindra	R.C.D. & U. New Delhi.	
15. N. I. R. N. Jyengar	A.C.S. Gauhati.	

S. D. SHARMA  
Deputy Director of Administration

### CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Kanpur, the 26th May 1978

No. 1078.—Consequent upon his promotion to the grade of superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/4/1978 dated 9-1-78 issued under endt. C. No. II-22-Estt/78/44 dated 9-1-78 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 Shri A. S. Ahluwalia, Inspector (SG) assumed the charge of Superintendent Group 'B' Central Excise, Customs, Kanpur (Hdqs.) in the forenoon of 30-1-78.

No. 16/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/4/78 dated 9-1-78 issued under endt. No. II-22-Estt/78/44 dated 9-1-78 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, Shri P. P. Grover, Inspector (SG) assumed the charge of Superintendent, Group 'B' Central Excise, MOR-Mawere (Meerat) in the forenoon of 16-1-78.



The 27th May 1978

No. 9/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/4/1978 dated 9-1-78 issued under endt. C. No. II-22-Estt/78/44 dated 9-1-78, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB 35—880—40—1000—EB—40—1200, Shri I. P. Wadhwa, Inspector (SG) assumed the charge of Superintendent (Audit), Central Excise, Hdqrs. office Kanpur.

No. 20/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/4/1978 issued under endt. C. No. II-22-Estt/78/44 dated 9-1-78 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, Shri C. B. Celly, Inspector (SG) assumed the charge of Superintendent Central Excise, Group 'B' Ghaziabad-I in the forenoon of 16-1-1978.

No. 22/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/4/1978 dated 9-1-78 issued under endt. C. No. II-Estt/78/44 dated 9-1-78 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, Shri Prem Chand Malik, Inspector (SG) assumed the charge of Superintendent, Central Excise, Group 'B' Hdqrs. Office Kanpur in the forenoon of 24-1-78.

K. PRAKASH ANAND  
Collector

## CUSTOMS/ESTABLISHMENT

Madras, the 25th May 1978

No. 1/78.—Shri C. Julian Andrew a U.P.S.C. candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (non-expert) in this Custom House with effect from 6-5-1978 forenoon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

M. G. VAIDYA  
Collector of Customs

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 24th May 1978

No. A-19012/691/78-Adm. V.—Chairman, Central water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on purely temporary and ad-hoc basis in the Scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates indicated against each officer until further orders. They assumed charge of the posts in offices mentioned against their names.

Sl. No.	Name of Officer with Designation	Date of Promotion.	Name of Office where posted.
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	Rati Bhan . . . . . Supervisor.	12-4-78 (F.N.)	T.E. Dte. No. 1
2.	K. Balakrishnan Nair Supervisor.	26-4-78 (F.N.)	Hydrology-I Dte.
3.	K. L. Khurana . . . . . Supervisor.	29-4-78 (A.N.)	T.E. I Dte.
4.	M. L. Batra . . . . . Supervisor.	12-4-78 (F.N.)	C.S.M.R.S.
5.	Gurbachan Lal . . . . . Supervisor.	14-4-78 (F.N.)	Gates and Design Directorate-I.
6.	K. C. Agarwal . . . . . Supervisor.	17-4-78 (F.N.)	Gates and Designs Directorate-II.
7.	Shiv Charan . . . . . Supervisor.	12-4-78 (F.N.)	P & P Dte.

11—116G1/78

(1)	(2)	(3)	(4)
8.	S. Srinivasan . . . . . Supervisor.	17-4-78 (F.N.)	T.E. Dte. I
9.	R. K. Kataria . . . . . Supervisor.	14-4-78 (F.N.)	Investigation Circle No. 1.
10.	Harish Chander Yadav Supervisor.	18-3-78 (A.N.)	(Central Stores Div.) Sahibi Inv. Sub-Div. No. III (Rewari).
11.	M. Jaganathan . . . . . Supervisor.	8-5-78 (F.N.)	Hydrology Dte. I
12.	S. K. Kaul . . . . .	29-4-78 (F.N.)	Chenab Investigation Sub-Div. III, Kulu.
13.	D. Mazumdar . . . . . Supervisor.	26-4-78 (F.N.)	CFFC Gauhati.
14.	K. V. Chandrasakharan	14-8-78 (F.N.)	CMI Sub-Division, Raipur.

The 27th May 1978

No. A-19012/687/78-Adm. V.—On the recommendations of Union Public Service Commission, Chairman, Central Water Commission is hereby appoints Shri R. K. Bharti, Hindi Officer to the post of Assistant Editor (Bhagirih-Hindi) in the Central Water Commission in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in an officiating capacity on a regular basis w.e.f. the forenoon of 1st May, 1978 until further orders.

2. Shri R. K. Bharti will be on probation in the post of Assistant Editor, (Bhagirih-Hindi) for a period of two years with effect from 1st May, 1978 (F.N.).

3. Consequent on the appointment of Shri R. K. Bharti as Assistant Editor (Bhagirih-Hindi), the services of Shri D. P. Sharma are replaced at the disposal of the Ministry of Education & Social Welfare (Department of Social Welfare) on the expiry of 76 days' leave granted to him w.e.f. 29-4-78.

J. K. SAHA  
Under Secy.  
Central Water Commission

## CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 29th May 1978

No. 6/5/78-Administration II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri S. K. Ghosh, Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity with effect from 1st May, 78 (Forenoon) until further orders.

S. BISWAS  
Under Secy.

## NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

## GENERAL MANAGER'S OFFICE

## (PERSONNEL BRANCH)

Pandur, the 25th May 1978

No. F/55/III/97(O).—The following Officers of the IRAS are confirmed in Junior Scale from the date shown against each :—

Name	Date from which confirmed.
Shri Suresh Kumar	28-5-77

(B) The following officers are confirmed in Class II service as Asstt. Accounts Officer with effect from the date shown against each :

Name	Date from which confirmed.
Shri R. K. Das	15-6-77
Shri G. P. Verma	1-12-77

M. R. N. MOORTHY  
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY  
AFFAIRS

(DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Money Plant Finance & Chit Fund Private Limited*

Jullundur, the 23rd May 1978

No. G/Stat/560/3189/1866.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Money Plant Finance & Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Standard Hotels Limited*

Jullundur, the 23rd May 1978

No. G/Stat/560/3452/1868.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Standard Hotels Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Tele Voice Private Limited*

Jullundur, the 23rd May 1978

No. G/Stat/560/2490/1870.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Tele Voice Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Nagrota Ex-Servicemen Transport Co. (P.) Limited*

Jullundur, the 26th May 1978

No. G/Stat/560/2866/1928.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Nagrota Ex-Servicemen Transport Co. (P.) Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. P. TAYAL  
Registrar of Companies  
Punjab, H.P. & Chandigarh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
U.P. Aluminium Corporation Private Limited*

Kanpur, the 24th May 1978

No. 5113/2723L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the U.P. Aluminium Corporation Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Vashisth Industries Private Limited*

Kanpur, the 24th May 1978

No. 5112/2923-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Vashisth Industries Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Shiva Lal Agarwala and Company Private Limited*

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5240/1113-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Shiva Lal Agarwala and Company Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Trivedi Typewriter Corporation Private Limited*

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5232/1851-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Trivedi Typewriter Corporation Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Diwan Gokul Chand Kapur and Sons (B.S.) Private Limited*

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5234/2011-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Diwan Gokul Chand Kapur and Sons (B.S.) Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Garhwal Rosin Private Limited*

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5238/2071-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Garhwal Rosin Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Swans Chit Fund Private Limited*

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5242/2880-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Swans Chit Fund Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Kashyap Finance Chit Fund Private Limited*

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5231/2940-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Kashyap Finance Chit Fund Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Anupam Shoe Company Private Limited*

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5235/2943-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Anupam Shoe Company Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Doon Chit Fund Private Limited*

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5239/2987-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Doon Chit Fund Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Upma Prakashan Private Limited*

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5241/2997-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Upma Prakashan Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Sital Financiers & Chit Fund Private Limited*

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5236/3035-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Sital Financiers & Chit Fund Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Dalmia Chit Fund and Investment Private Limited*

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5237/3163-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Dalmia Chit Fund and Investment Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Jan Kalyan Trading and Credit Finance Private Limited*

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5233/3187-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956

the name of the Jan Kalyan Trading and Credit Finance Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

M. L. SAH  
Registrar of Companies, U.P., Kanpur.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Arrow Publicity Private Limited*

(In Members Voluntary Liquidation)

Ahmedabad, the 26th May 1978

No. 1015/Liq.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (4) of section 247 of the Indian Companies Act-1913, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Arrow Publicity Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

J. G. GATHA  
Registrar of Companies, Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Island Import Export Trading Co. Pvt. Limited*

Bombay the 26th May 1978

No. 15261/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Island Import Export Trading Co. Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Giva Safety Razor Co. of India Pvt. Limited*

Bombay, the 27th May 1978

No. 6131/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Giva Safety Razor Co. of India Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. A. VIJAYAN MENON  
Asstt. Registrar of Companies  
Maharashtra, Bombay

FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,

Dharwar, the 17th April 1978

Notice No. 214/78.79/Acq. dated 17-4-1978.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-1166/2, situated at Opposite Aiwan-E-Shahi, Station Bazar, Gulbarga, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gulbarga, Under Document No. 1099 on 3-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sharadabai w/o Chandappa Patil, 17-Sankay Road, Sadashivnagar, Bangalore.  
(Transferor)
- (2) (1) Shri Lingraj s/o Shantalingappa Patil, m/g Shri Shantalingappa S. Patil, c/o M/s L. R. Patil, Neharuganj, Gulbarga.
- (2) Shri Sahebgouda Channmallappa Patil, R/o Diggaon, Taluk : Chittapur (Dist. Gulbarga).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property Consisting of a Double Storied House Bearing M. No. 1-1166/2, Situated on Plot No. 37, Opposite Aiwan-E-Shahi, Station Bazar, Gulbarga.

D. C. RAJAGOPALAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Date : 17-4-1978  
Seal :

## FORM ITNS

(1) (i) Sri Mariappa Gounder (ii) M. Singaravelu (iii) Dr. M. Balasubramanian.

(Transferors)

(2) (i) V. J. George (ii) V. G. Stanley (iii) V. G. Sabu (iv) V. I. Sando (v) V. I. Sunny (by V. J. Ittiara. (Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS, M.G.  
ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 6th February 1978

Ref L.C. No. 169/77-78.—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy No. as per schedule situated at

Thrikkur Panchayath

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on 2-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

7.07 acres of land with buildings in Sy. Nos 484, 487, 496, 497, 498 & 499 of Thrikkur Panchavath.

C. P. A. VASUDEVAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS ———

M/s. The Doaba Transport Co. Ltd., H. Quarter Hoshiarpur (Through Mohan Singh).

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Sh. Devinder Kumar &amp; Dharampaul Ss/o Shanker Dass, R/o Mota Singh Nagar, Jullundur.

(Transferee)

\*(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property).\*(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd June 1978

Ref. No. A-1805.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Mota Singh Nagar, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on October 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration Sale Deed No : 4556 of October, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 2-6-78  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Gurmej Kaur W/o Charan Singh R/O Dhanal Khurd, Teh : Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Jullundur, the 2nd June 1978

Ref. No. AP-1806.—Whereas, I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Dhanal Khurd Teh : Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Nov., 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Kesar Singh S/O Tulsia Singh Guru Nanak Pura, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

"(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

"(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4775 of November, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 2-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd June 1978

Ref. No. AP-1807.—Whereas, I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Vill. Dhanal Teh : Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gurmej Kaur W/o Charan Singh Vill. Dhanal Teh : Jullundur.  
(Transferor)
- (2) Shri Inder Singh S/o Kesar Singh, Guru Nanak Pura, Model Town, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 5121 of November, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 2-6-78  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd June 1978

Ref. No. AP-1808.—Whereas, I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Din Dyal Upadhyaya Nagar, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Oct. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

12—116GI/78

(1) Shri Oma Nand Sharma S/O Vidhya Ram Sharma, H. No. EF-424, Krishan Nagar, Jullundur.  
(Transferor)

(2) Shri Des Raj S/O Mohan Lal C/O Raj Book Depot, O/S Mai Hiran Gate, Jullundur.  
(Transferee)

"(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

"(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4535 of October, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 2-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Jullundur, the 2nd June 1978

Ref. No. AP-1809.—Whereas, I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Ladowali Road, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Nov. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ranjit Singh, Harbans Singh, Ss/O Shri Basant Singh, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Manbir Singh S/O Makalgan Singh EH 83-84, Ladowali Road, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4851 of November, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 2-6-1978

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Jullundur, the 2nd June 1978

Ref. No. AP-1810.—Whereas, I, B. S. Dehiya  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

As per schedule Basti Bawa Khel, Jullundur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Jullundur on Nov. 1977

for an apparent consideration which  
is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay under the said Act, in res-  
pect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Gurbax Singh s/o Lal Singh : & GA 1  
bans Kaur (Wife) Swaranjit Singh (Son) Smt Raj  
Kanwar W/o Swaranjit Singh R/O Basti Bawa Khel,  
Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s Hans Raj Mahajan & Sons (P) Ltd., Basti  
Adda, G.T. Road, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette of a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building as mentioned in the Registration Sale Deed No.  
4790 of November, 1977 of the Registering Authority,  
Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 2-6-78

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Bhatinda, the 24th May 1978

Ref. No. 208/HSP/78-79.-Whereas, I, P. N. Malik, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per S. No. 2 above Court Road, Hoshiarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hoshiarpur on 17-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Puran Singh S/o Sh. Narain Singh S/o Si Sarup Singh Village Dheyapur Tehsil Hoshiarpur G.A. to Shri Gian Singh S/o Narain Singh, Joginder Kaur Wd/o Shri Bhag Singh, Santosh Kaur Jasbir Kaur, Hardial Kaur Daughters of Shri Bha Singh.

(Transferor)

- (2) Shri Kirpal Singh Adopted son of Shri Bhag Singh S/o Sh. Narain Singh S/Shri Santoksh Singh, Sohan Singh and Harbhajan Singh S/o Shri Karam Singh V and P. O. Dehakowal Tehsil Hoshiarpur.

(Transferee)

- "(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

- "(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops situated at Court Road, Hoshiarpur as mentioned in sale deed No. 2675 of October, 1977 registered with the Sub-Registrar, Hoshiarpur.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range

Date : 24-5-1978

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 26th May 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq./402.—Whereas, I. M. P. VASISHTHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 19, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8th Sept. 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

(1) Shri Murlimanohar Khendelwal, s/o Shri Ganeshlalji resident of Vidhyadhar ka Rasta, Jaipur.  
(Transferor)

(2) Shri Vijayachandji Lodha s/o Shri Bhagchandji resident of Kundigar Bhneruji ka Rasta, Jaipur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land known as No. 19 at Jawaharlal Nehru Marg, Ganesh Colony, Jaipur, more fully described in the conveyance deed registered on 8-9-77 by the S. R. Jaipur vide his No. 1615.

M. P. VASISHTHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 26-5-78

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 26th May 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq./403.—Whereas, I, M. P. Vasishtha, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing

No. House property situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Udaipur on 31-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Maheshbehari through G.P.A. Shri Murarilal s/o Late Shri Guljarilal Mathur resident of 52 Gopalwadi, Jaipur.

(Transferor)

- (2) Smt. Premdevi w/o Shri Nandlal Bagrecha resident of No. 95 Bhupalwadi, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in house property (Ground floor) situated at Aswani Marg, outside Delhi Gate, Udaipur and morefully described in the conveyance deed registered by the S.R. Udaipur vide his No. 1985 dated 31-10-77.

M. P. VASISHTHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 26-5-78  
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 26th May 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/404.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udaipur on 31-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Murarilal s/o Late Shri Guljarlal resident of plot No. 52, Gopalwadi, Ajmer Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Laxmilal s/o Shri Kanhiyal Bagercha resident 95 Bhupalwadi, Udaipur.

(Transferee)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd property in the house property (ground floor) situated at Aswani Marg outside Delhi gate Udaipur and more fully described in the conveyance registered by S. R. Udaipur vide his No. 1986 dated 31-10-77.

M. P. VASISHTHA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jaipur.

Date : 26-5-78

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE,**

Jaipur, the 26th May 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/405.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

No. House property situated at Udaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udaipur on 31-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri Banwarilal & Shri Mahesh Behari through General Power of Attorney Shri Murailal s/o Late Shri Gulzarilal Gopal Bari, Jaipur.

(Transferor)

- (2) Smt. Deu Bai w/o Shri Kanhiyalalji Bagrecha resident of No. 95 Bhupalwari, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property situated on First floor of the house at Aswani Marg outside Dedhi gate and more fully described in the conveyance deed registered by the S.R. Udaipur vide his No. 1984 dated 31-10-77.

M. P. VASISHTHA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jullundur.

Date : 26-5-78

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Banwarilal through GPA Shri Murarilal s/o Shri Guljarilal resident of 52 Gopalwadi, Jaipur.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mohanidevi w/o Sh. Ambalal Bagrecha resident of 95 Bhupalwari, Udaipur.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE,

Jaipur, the 26th May 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Raj/IAC/Acq./406.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House property situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 31-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/3 shared of property (ground floor) belonging to Shri Banwarilal and situated on the Ahswani Marg, out side Delhi Gate, Udaipur and more fully described in conveyance deed registered by SR Udaipur vide his No. 1983 d/31-10-77.

M. P. VASISHTHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
13—116GI/78

Date : 26-5-78  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 26th May 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/407.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. D-57 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Jaipur on 23-9-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Sarat Kumar Jhunjunuwala S/o Shri Krishan Kumar Jhunjunuwala, resident of Jhunjhunuwalah Niwas New Colony, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Ramchander and Omprakash Goyenka S/o Sh. Chhagamal Goyenka, resident of plot No. D-185, Bhirgu Marg, Bani Park, Jaipur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half portion of eastern side of Plot No. D-75, Ghlyamarg, Bani Park, Jaipur, more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jaipur vide his entry No. 1781 dated 23-9-77.

M. P. VASISHTHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 26-5-1978  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 26th May 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/408.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. 9C situated at Daipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 28-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Amritlal s/o Shri Jas Rajji Yadava resident Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Sunderlal s/o Mohanlalji Khanvesra resident of Chogan Scheme No. 2 Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated in Plot No. 9 C Chogan Scheme No. 2 Madhuvan, Udaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Udaipur vide No. 1960 dated 28-10-1977.

M. P. VASISHTHA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date . 26-5-78

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, dated the 6th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-78/994.—Whereas, I, R. K. BALL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Narayanpur (Bastar) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Narayanpur on 5-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) Shri Jugal Prasad Devangan S/o Shri Neelkant Prasad, R/o Narainpur, Dist. Bastar 494-661.  
(Transferor)
- (2) Smt. Assissi Shanti Bhawan, through Sister Tecla Francis, Narainpur, Distt. Bastar, 494-661.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

4 16 Acre land at Khasra Nos. 981/2 & 982/2, at Narayanpur, Distt. Bastar.

R. K. BALL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 6-5-78  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) S/Shri Dharmumal & Mohanlal, both sons of Shri Mitthnlal Sindhi, R/o Binoba Ward, Murwara, Distt. Jabalpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Gokuldas s/o Sirumal & Darsanlal s/o Gokulmal, R/O Hanumangan, Murwara, Distt. Jabalpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, dated the 6th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/995.—Whereas, I,

R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Murwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Murwara on 19-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Municipal House No. 184, in Binoba Ward, Murwara, Distt. Jabalpur.

R. K. BALI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 6-5-78.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 16th May 1978

Ref. No. RAC No. 47/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-5-1089/1/A situated at Narayanguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 22-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Gouri Shanker Palnitkar, Medical Practitioner 5-2-1026 at Nizamshai Road, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. M. R. Meera Devi, W/o Shri M. Raghunath Reddy, H. No. 3-5-1089/1/A at Narayanguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House M. No. 3-5-1089/1/A, measuring 193.00 Sq. Yds. at Narayanguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2644/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Smt. Davuluri Radha, W/o Sri D. V. Vithal, H. No. 7/4 Clarks Road, Richards Town, Bangalore. Represented by her Power of Attorney Sri P. Visweswara Rao, Gandhinagar, Hyderabad (H. No. 1-1-644).

(Transferor)

- (2) Shri Darsi Sudhakara Rao, S/o late Sri Rangayya Garu, H. No. 1-10-1/1 at Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th May 1978

Ref. No. RAC No. 48/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-10-1/1 situated at Ashoknagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 3-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House M. No. 1-10-1/1 at Ashoknagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2706/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Dipak Oil Mill, Bhayavadar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ambica Oil Mill, through partners : Shri Chandulal Bawaji &amp; Others, Khakhijalia Road, Bhayavadr.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380 009, the 16th May 1978

Ref. No. Acq.23/I/1413(659)/16-7/77-78.—Whereas, I.  
S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sur. No. 794, situated at Khakhijalia Road, Bhayavadar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Upleta on 27-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 3966-2-3 sq. yds. known as Ambica Oil Mill, bearing S. No. 794 situated on Khakhijalia Road, Bhayavadar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 999 dated 27-10-1977.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated 16th May 1978

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 16th May 1978

Ref. No. Acq. 23-1-1506(660)/16-3/77-78.—Whereas, I, S. C. Parikh being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E.P. No. 87, situated at Bhadar Road, Jetpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 17-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

14—116GI/78

- (1) Darbarsri Bhanwala Jagawala Yagnik Road, Satyakripa Bhuvan, Rajkot.
2. Kumarshri Meramwala Jagawala Yagnik Road, Satyakrupa Bhuvan, Rajkot.
3. Anopaba Jagawala, Milan Society, Near Mahila College, Rajkot.

(Transferor)

- (2) Lohana Mahajan Trust; Through-President & Managing Trustee; Sheth Shri Devjibhai Bhimbibhai, Fulwad, Jetpur.

(Transferee)

- \* (3) 1. Harsad Dyeing;
2. Jagi Fabrics;
3. Mr. Bachubhai Thakarshi.
4. J. B. Textile.
5. Jagat Textile.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 521-4 sq. yds. bearing E.P. No. 87 situated at Bhadar Road, and Jetpur and as full described in the sale deed registered vide Regn No. 689 dated 17-10-1977.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 16th May 1978.

Seal :

## FORM 11NS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 25th May 1978

No. Acq.23-I-1500(663)/16-6/77-78.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 476, situated at Nr. Race Course, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 24-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kalyanji Laxmichand & Sons, through partner; Shri Kalyanji Laxmichand, Panchnath Plot, Rajkot.

Shri Kalyanji Laxmichand, Panchnath Plot, Rajkot.  
(Transferor)

(2) 1. Shri Asudomal Bhavandas,  
2. Shri Dularam Devandas,  
3. Shri Ghanshyam Devandas,  
4. Shri Sevram Devandas,  
Ranchhodnagar Society, Sheri No. 8, Rajkot.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1288 sq. yds. bearing S. No. 476, situated on west-side of Race Course, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered under registration No. 2198/77 dated 24-10-1977 by the Sub-Registrar, Rajkot.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 25-5-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ram Chandra Ram.

(Transferor)

(2) Shri Suraj Bali Ram.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-9, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 23rd March 1978

Ref. No. 69/77-78/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I,  
A. N. MISHRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Touzi No. 2538, situated at Badjobra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Registrar of Assurance Calcutta on 26-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The land with building situated at Mouza-Badjobra over Touzi No. 2538, Khata No. 475/2, Plot No. 1367/1566 and No. 1367/1567 in the district of Cuttack and registered in the office of the Register of Assurance, Calcutta vide Sale deed No. T-4437 dated 26-9-1977.

A. N. MISHRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 23-3-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Rahmatullah &amp; others M/s Swastik Sugars through

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash Rastogi &amp; others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 21st January 1978

Ref. No. GIR No. 159/S/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building, land & machinery of M/s Indian Traders, situated at Amroha, District Moradabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amroha on 2-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 7.36 acres including building, factory, plant & machinery etc. and all that which is entered in Form 37G No. 3530/77 dated 2-9-77 and in the sale deed situate at Amroha, Dist. Moradabad.

A. S. BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-1-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th May 1978

Ref. No. 5-164/Acq.—Whereas, I, AMAR  
SINGH BISEN,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingNo. 49-K situated at Nazari Bagh, Lucknow  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Lucknow on 17-9-1977for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the said  
Act, in respect of any income arising from the  
transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Nawal Kishore Sharma.

(Transferor)

(2) Shri Sahdev Kumar Nandi.

(Transferee)

(3) Shri Nirmala Chakravarty.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned.—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette;EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 49-K measuring 1596 sq. ft.  
situated at Nazari Bagh Lucknow and all that which is men-  
tioned in form 37-G No. 3150 dated 17-9-1977 registered at  
the Chief Sub-Registrar Office Lucknow.A. S. BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 5-5-1978

Seal :  
14

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th May 1978

Ref. No. GHL/3/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of Shiv Shankar Rice Mill, situated at Pehowa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guhla in September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor of the transferor to pay tax under the 'said Act,' to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. (i) Shri Raghubir Singh and Shri Jaspal Singh, ss/o Sh. Sawaran Singh, (ii) Smt. Surjeet Kaur w/o Shri Swaran Singh, residents of Kothi No. 17, Taylor Road Amritsar, (iii) Shri Shamsher Singh s/o Shri Dhanna Singh, R/o Vill. Bhikhe Hari Singh, Teh. Ajnala, Distt. Amritsar (Punjab).

(Transferor)

2. Shri Kaliash Chander s/o Shri Amar Nath, M/s. Amar Nath Kaliash Chander, Commission Agents, Anaj Mandi, Kaithal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Part of Shiv Shankar Rice Mill situated at Pehowa Tehsil Guhla.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 1543 dated 30-9-1977 and registered in the office of the Registering Authority, Guhla."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 30-5-1978

Seal

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th May 1978

Ref. No. GHL/4/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of Shiv Shankar Rice Mill alongwith land measuring 8 kanal 2 marla situated at Pehowa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guhla in November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (i) Shri Harbans Singh s/o Shri Kidara Singh, (ii) Shri Hazura Singh s/o Shri Phula Singh, (iii) Shri Rachhpal Singh and (iv) Shri Kabal Singh s/o Shri Hazura Singh. All resident of Vill. Saraswati Khera, Teh. Guhla Distt. Kurukshetra.

(Transferor)

2. Shri Amar Nath s/o Shri Ram Kishan, M/s. Amar Nath, Kailash Chander, Commission Agents, Anaj Mandi, Kaithal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Shiv Shankar Rice Mill alongwith land measuring 8 kanal 2 marla situated at Pehowa.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 1695 dated 3-11-1977 registered in the office of the Registering Authority, Guhla."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th May 1978

Ref. No. GHL/5/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Part of Shiv Shankar Rice Mill measuring 4K-2marla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Guhla in November 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

1. (i) Shri Gurbax Singh s/o Shri Jagir Singh, (ii) Shri Mohinder Singh and (iii) Shri Iqbal Singh ss/o Shri Gurbax Singh; All resident of Vill. Saraswati Khera Teh. Guhla, Distt. Kurukshetra.

(Transferor)

2. Shri Amar Nath s/o Shri Ram Kishan, M/s. Amar Nath Kailash Chander, Commission Agents, Anaj Mandi, Kaithal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Shiv Shankar Rice Mill alongwith land measuring 4 kanal 2 marla situated at Pehowa Teh. Guhla.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 1695 dated 3-11-1977 and registered in the office of the Registering Authority, Guhla."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 30-5-1978

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, POHTAK

Rohtak, the 30th May 1978

Ref. No. GHL/6/77-78.—Whereas, I, Ravinder Kumar Pathania, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of Shiv Shanker Rice Mill alongwith land measuring 6 kanal 2 marla situated at Pehowa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Guhla in November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—  
15—116GI/78

- (1) (i) Shri Jaswant Singh s/o Shri Meja Singh, (ii) Shri Mahakali Singh s/o Shri Dhanna Singh, residents of Vill. Urnaya, Teh. Guhla, Distt. Kurukshetra.

(Transferor)

- (2) Shri Amar Nath s/o Shri Ram Kishan, M/s Amar Nath Kailash Chander, Commission Agents, Anai Mandi, Kaithal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Shiv Shankar Mill alongwith land measuring 6 kanal 2 marla situated at Pehowa Teh. Guhla, Distt. Kurukshetra.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 1720 dated 8-11-1977 and registered in the office of the Registering Authority, Guhla."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Joginder Singh s/o Shri Meja Singh, Friends Colony, Taylor Road, Amritsar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amar Nath C/o M/s Amar Nath Kailash Chander, Commission Agents, Anaj Mandi, Kaithal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 29th May 1978

Ref. No. GH1/2/77-78.—Whereas, I, Ravinder Kumar Pathania, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/5th share in Shiv Shankar Rice Mill situated at Pehowa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Guhla in September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/5th share in Shiv Shankar Rice Mill situated at Pehowa alongwith machinery and fittings.

"Property as mentioned in the sale deed registration No. 1499 dated 21-9-1977 Registered in the office of the Registering Authority, Guhla."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 29-5-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 30th May 1978

Ref. No. RTK/46/77-78.—Whereas I, Ravinder Kumar Pathania, being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M.C. No. 52-53-54, Ward No. 17, situated at Railway Road, Rohtak (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Rohtak in September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Jai Parsad s/o Shri Sheesar Chand Jain, H. No. 4/101, Kath Mandi, Sonapat.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Om Parkash, Krishan Lal, Ved Parkash and Satish Kumar ss/o Shri Ganpat Rai, H. No. 78-B-III, Mohalla Gurunanak Pura, Rohtak.

(Transferee)

- (3) (i) Shri Jandu C/o 52-53-54, Wd No. 17, Railway Road, Rohtak.

- (ii) Shri Darya Singh, C/o 52-53-54, Wd. No. 17, Railway Road, Rohtak.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property M. C. No. 52-53-54 situated at Ward No. 17, Railway Road, Rohtak and having an area of 97 sq. yds.  
"Property as mentioned in sale deed registration No. 2345 dated 14-9-1977 registered in the office of the Registering Authority, Rohtak."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 29-5-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ajit Singh s/o Shri Tara Singh, R/o Block E-I/141, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri H. P. Pal S/o Shri Shadi Lal Pal, R/o 1568, Sector 7-C, Chandigarh.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 29th May 1978

Ref. No. CHD/51/77-78.—Whereas I, Ravinder Kumar Pathania, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 1568, Sector 7-C Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

House No. 1568 situated at Sector 7-C, Chandigarh.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 606 dated 9-9-1977 and registered in the office of the Registering Authority, at Chandigarh".

RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 29-5-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 29th May 1978

Ref. No. CHD/103/77-78.—Whereas I, Ravinder Kumar Pathania,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 74, Sector 5-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri R. N. Chopra S/o Shri Kanshi Ram Chopra, R/o F 3/10, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) (i) Shri B. N. Gupta s/o Late Shri Babu Ram Gupta, (ii) Smt. Bimla Devi Gupta W/o Shri B. N. Gupta, (iii) Shri Vimlendra Gupta and (iv) Shri Ranjiv Gupta ss/o Shri B. N. Gupta. All residents of H. No. 74, Sector 5-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential House No. 74 Built on plot No. 70-C Sector 5, Chandigarh and having an area of 4.07 kanal.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 1229 dated 16-2-1978 registered in the office of the Registering Authority, Chandigarh".

RAVINDER KUMAR PATHANIA,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 29-5-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 29th March 1978

Ref. No. 6/SEPUT/77.—Whereas, I. A. T. GOVINDAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 295 & 295A situated at West Masi Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 455/77) on September 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. P. Pankajam,  
W/o. Shri Pitchai,  
No. 295, West Masi Street,  
Madurai.

(Transferor)

(2) Shri P. S. Loganathan Chettiar,  
Smt. Sulochana,  
No. 3/853, Bharathi Nagar,  
Paramakudi, Ramnad district.

(Transferee)

(3) United Commercial Bank.  
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2700 sft. with building thereon at door Nos. 295 & 295A (Survey No. 560), West Masi Street, Madurai.

A. T. GOVINDAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 29-3-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1. Smt. Marie Angela Peleria  
2. Smt. Marie Josephine Moliar  
No. 18 Enam Venkatachalam Pillai St.  
Pondicherry.

(Transferee)

- (2) Smt. Selva Kalpana  
No. 28 Nainiappa Pillai St.,  
Pondicherry-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 26th May 1978

Ref. No. 3989/September/77.—Whereas, I. K. Ponnann, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18, situated at Enam Venkatachalam Pillai St., Pondicherry, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. No. 1323/77) on 5-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 18, Enam Venkatachalam Pillai Street, Pondicherry.

K. Ponnann  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 26-5-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri P. V. A. Mohamed Jeeyaudin  
S/o Shri P. V. Abdul Rahman Rowther  
Cuthery St., Mettupalayam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri P. A. Syed Mohamed Rowther  
S/o Shri P. Ayub Mohamed Rowther,  
Appai Naicker St., Mettupalayam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 26th May 1978

Ref. No. 4425/September/77.—Whereas, I, K. Ponnaiyandurai, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 85 & 85A, Annaji Rao St., situated at Mettupalayam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam (Doc. No. 989/77) on 1-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 85 and 85A, Annaji Rao Street, Mettupalayam.

K. Ponnaiyandurai  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 26-5-1978.

Seal :



## FORM ITNS

(1) Sri Ramakrishna Mission Vidyalaya  
Sri Ramakrishna Vidyalaya P.O.  
Coimbatore 641020.

(Transferor)

(2) Sri Allimuthu  
S/o Shri Marudappa Gounder  
Thudiyalur

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 26th May 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. 4428/September/77.—Whereas, I K. Ponnar  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 2.36½ Acres, situated at S. Nos. 24/1, 24/2, 24/3, 24/4  
& 24/5 Thudiyalur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Perianaickenpalayam (Doc. No. 182/77) on September  
1977

for an apparent consideration which is less than the fair mar-  
ket value of the aforesaid property and I have reason to be-  
lieve that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than fif-  
teen per cent of such apparent consideration and that the con-  
sideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
16—116GI/78

## THE SCHEDULE

## Thudiyalur Village :

S. No.	Extent.
24/2	0 34
24/3	1 04
24/4	0 56½
24/5	0 27
24/1	0 15
TOTAL	2 36½

K. Ponnar  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 26-5-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 26th May 1978

Ref. No. 4428/September/77.—Whereas, I, K. Ponnann being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S. No. 23 and 24/1 situated at Thudiyalur village (2-00½ Acres)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Perianaickenpalayam (Doc. No. 183/77) on September 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sree Ramakrishna Mission Vidyalaya  
Sri Ramakrishna Vidyalaya P.O.  
Coimbatore 641 020.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Marudhachalam; and  
2. Shri A. Chinnasami  
S/o Shri Ammasai Gounder  
Thudiyalur village, Coimbatore Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2-00½ Acres bearing S. No. 24/1 and 23, Thudiyalur village, Coimbatore Taluk.

K. Ponnann  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 26-5-1978.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 26th May 1978

Ref. No. 4452/September/77.—Whereas I, K. Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door No. 40 Krishnammal St. situated at Radhakrishna Layout, K. K. Pudur, Sanganoor Panchayat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Gandhipuram (Doc. No. 866/77) on 19-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. D. Vasantha Devi  
W/o Shri K. Veera Doss  
40 Krishnammal St., Radhakrishna Layout,  
Kuppakonampudur, Sanganoor, Coimbatore Tk.

(Transferor)

(2) Shri P. Natarajan, B. Sc. (Ag.)  
No. 31/5 Ponnaia Rajapuram  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 2800 sq. ft. (with building) situated at Site No. 31, Door No. 40, Krishnammal Street, Radhakrishna Layout, Kuppakondampudur, Sanganoor village, Coimbatore Taluk.

K. Ponnan  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 26-5-1978.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6**

Madrass-6, the 26th May 1978

Ref. No. 5799/September/77.—Whereas, I, K. Ponnann being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rsfl 25,000/- and bearing No. Door No. 14, situated at Pasumathy Street, Madras-24 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kodambakkam (Doc. No. 1277/77) on 12-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. C. H. Susheela Rani; and

2. Shri C. H. Venkateswara Rao  
14 Pasumathy St., United India Colony,  
Madras-24.

(Transferors)

(2) Shri Jagadish Mitra  
No. 9 Masilamani Mudaliar Colony  
Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land admeasuring 5624 3/4 Sq. ft. (with building) situated at No. 14 Pasumathy St., Madras-24 (T. S. No. 62, Block No. 44).

K. Ponnann  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 26-5-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

MADRAS-6, the 26th May 1978

Ref. No. 5818/September/77.—Whereas, I, K. Ponnann being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Nos. 5 and 6, situated at Door No. 5 Greams Road, Madras-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 653/77) on September 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker;  
2. Shri M. Anandan; and  
3. Shri M. Thirunavukkarasu  
No. 1 First Link St., CIT Colony, Madras-4  
4. Shri T. Govindasami  
No. 62 B Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferor)

- (2) Smt. C. Annammal  
No. 79 Mannar Sami Koil St.  
Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/10th undivided share in Plot Nos. 5 and 6 extending to 7 grounds and 1435 sq. ft. and unfinished building with a carpet area of 3421 sq. ft. (Door No. 5 Greams Road, Madras-6).

K. PONNAN

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 26-5-1978.

Seal .

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II

## MADRAS-6

Madras-6, the 26th May 1978

Ref. No. 5818/September/77.—Whereas, I, K. Ponnann being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Nos. 5 and 6, situated at Door No. 5 Greams Road, Madras-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 654/77) on September 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker;
2. Shri M. Apandan; and
3. Shri M. Thirunavukkarasu  
1, First Link St., CIT Colony, Madras-4.
4. Shri H. Govindasami  
No. 62B, Mowbrays Road, Madras-18.
- (2) 1. Smt. G. Mallika  
No. 79 Mannar Sami Koil St., Madras-13 and
2. G. Senhamarai  
No. 132, Mannarsami Koil St.  
Royapuram, Madras-13.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/10th undivided share in Plot No. 5 and 6 extending to 7 grounds and 1435 sq. ft. and unfinished building with a carpet area of 3421 sft. (Door No. 5, Greams Road, Madras-6).

K. PONNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Madras-6.

Date : 26-5-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1. Smt. Sara Kasthuri Chandy  
No. 23-A St. Paul Road, Bhandra, Bombay-50.
2. Shri D. J. K. Cornelius  
S/o Shri J. T. Cornelius  
R. S. V Naidu St., Madras-10. \_nsf
- (2) Asha Nivas Diocesan Social Welfare Centre,  
Rutland Gate, Madras-6  
(No. 2 Rutland Gate 5th St., Madras-6).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-6

Madras-6, the 30th May 1978

Ref. No. 5812/Sep./77.—Whereas, I, K. Ponnann, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2, Rutland Gate 5th St., situated at Nungambakkam, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 654/77) on September 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land admeasuring 5 grounds and 616 sq. ft. (with building) and bearing Door No. 2, Rutland Gate 5th Street, Nungambakkam, Madras-6.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1978.

Seal:

## FORM ITNS—

- (1) Shri A. Aboobacker and Shri A. Shaikulaudeen  
No. 13 Nageswara Iyer Road, Madras-24.
- (2) Shri C. K. Prabhakaran Padiyath  
No. 19 Chaudhary Colony  
Madras-34.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-6

Madras-6, the 30th May 1978

Ref. No. 5813/Sep./77.—Whereas I, K. Ponnann, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13, Nageswara Iyer Road, situated at Madras-34, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 629/77) on September 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 13, Nageswari Iyer Road, Madras-34.

K. PONNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Madras-6.

Date : 30-5-1978.

Seal :



## FORM ITNS

(1) Captain P. S. Rajan,  
No. 16 Pushpavanam Main Road,  
Madras-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. K. Bahadur  
S/o Shri Kochu Mohideen  
178, 5th Street,  
9th Avenue, Ashok Nagar,  
Madras-83.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 30th May 1978

Ref. No. 5815/Sep/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1 (Premises 16) situated at Pushpavanam Main Road, Nungambakkam, Madras-34, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagai, Madras (Doc. No. 641/77) on September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land admeasuring 2 Grounds and 1220 Sq. ft. (with building) and bearing Plot No. 1 (Premises No. 16) Pushpavanam Main Road, Nungambakkam, Madras-34.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. PONNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

17—116GI/78

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 30th May 1978

Ref. No. 5824/Sep/77.—Whereas, I K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 110/2 Kodambakkam High, situated at Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 691/77) on 28-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri P. Shyam Sundar,  
No. 70 G. N. Chetty Road,  
T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Smt. M. Varalakshmi  
No. 5 North Street,  
West C.I.T. Nagar,  
Madras-35.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 110/2 Kodambakkam High Road, Madras-34.

K. PONNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-6

Date : 30-5-1978  
Seal :

**FORM ITNS**

- (1) Shri S. M. Syed Ahamed  
S/o Shri Syed Murthuja Basha Sahib  
Chathura Street, Gingee.

(Transferor)

- (2) Shri S. H. Syed Khudoos Sahib  
S/o Shri Syed Hussain Sahib  
Syed Hussain Sahib St.,  
Gingee.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6**

Madras-6, the 30th May 1978

Ref. No. 8029/Sep/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Gingee Survey No. 7/1-B Sakkarapuram village

S. No. 31/2 (land and building)

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Gingee (Doc. No. 1447/77) on 26-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building bearing Survey No. 7/1-B Gingee and Sakkarapuram village S. No. 31/2 (8½ Cents) (Doc. No. 1447/77).

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-6

Date : 30-5-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 30th May 1978

Ref. No. 8021/Sep/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Choultry Street, Gingee situated at Survey No. 4/7 (land and building) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gingee (Doc. No. 1480/77) on 30-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri M. Yusuff Khah  
S/o Shri K. Mohamed Khan  
No. 6 Sathira St., Gingee.
2. Shri M. Kareem Khan  
S/o Shri K. Mohamed Khan  
No. 73 Tiruvannamalai Road,  
Gingee.
3. Shri M. Noorullah  
No. 59 Sathira St., Gingee.
- (2) Gingee Purnania Sangam  
(Represented by :  
Sri S. H. Syed Khudoos Sahib  
S/o Shri Syed Hussain Sahib,  
Syed Hussain St., Gingee—President;  
Shri Syed Rahim Sahib,  
Shri Syed Rahim Sahib,  
S/o Shri Syed Hussain Sahib,  
Syed Hussain St., Gingee—Secretary)

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Survey No. 4/7 Choultry Street, Gingee, (Doc. No. 1480/77).

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-6

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 30th May 1978

Ref. No. 8023/Sep/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

O/A, J. B. Buildings situated at

T.S. No. 3427, Mahamariamman Koil Street, Mannargudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mannargudi (Doc. No. 2137/77) on 28-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri J. S. M. Sheik Badruddin  
No. 86 Sholkath Ali St.,  
Koothanallur,

(Transferor)

(2) Shri A. A. Haja Maideen  
C/o Shri K. M. S. Abdul Rahim,  
No. 43 Nouria St.,  
Koothanallur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land admeasuring 6159 Sq. ft. (with building) and bearing Door No. O/A (J B Buildings) Maha Mariamman Koil Street, Mannargudi. (Ward No. 1, Block No. 54, T.S. No. 3427).

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 30-5-1978  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 4th January 1978

Ref. No. Acq/1133-A/M. Nagar/77-78/6808.—Whereas,  
I, R. P. BHARGAVA,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Muzaffarnagar on 17-9-77for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—(1) S/Shri Begraj Sharma S/o Banwarl Lal and  
Shri Om Prakash S/c Begraj Sharma,  
R/o House No. 43, Ghor Khatti,  
Nai Mandi, Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Suresh Chand, Ramesh Chand and  
Subash Chand S/o Harish Chand  
R/o House No. 128, Bhopa Road (Southern)  
Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of thirty days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 198, situated at South Bhopa Road, Nai Mandi,  
Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of  
Rs. 5,000/-.R. P. BHARGAVA  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-1-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 30th January 1978

Ref. No. Acq/813/Agra/77-78/7479.—Whereas, I. R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Agra on September 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rukmani Bai widow of Late Sri Mathura Das Sadar Bhatti, Agra.

(Transferor)

- (2) Shri Nand Kishore Puri  
S/o Parmanand Puri  
R/o Shankar Market, Peepalmandi, Agra and  
Raj Kumar Puri  
S/o Parmanand Puri  
R/o Krishna Colony, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House bearing No. 17/296 and 17/296/1, situated at Sadar Bhatti, Rakabganj Ward, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 75,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 30-1-78

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Madho Kripal son of Late Dau Dayal,  
Resident of Revti Kunj, Hapur,  
Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raj Kripal son of Banwari Lal  
R/o Burj, Hapur,  
Distt. Ghaziabad

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 31st January 1978

Ref. No. Acq/1080-Λ/Hapur/77-78/7499.—Whereas, I,  
R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Indian Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hapur on 2-9-1977

for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following person, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House property trans-  
ferred in three parts situated at Revti Kunj, Railway Road,  
Hapur, transferred for an apparent consideration of Rs.  
27,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-1-78

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 31st January 1978

Ref. No. Acq/1081-A/Hapur/77-78/7513.—Whereas, I,  
R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 2-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—116GI/78

- (1) Shri Janardan Kripal son of Dau Dayal  
Resident of Revti Kunj, Hapur,  
Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

- (2) Shri Sunil Kumar son of Raj Kripal,  
Resident of Burj, Hapur,  
Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House property transferred in parts situated at Revti Kunj, Railway Road, Hapur transferred for an apparent consideration of Rs. 27,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-1-78

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 31st January 1978

Ref. No. Acq/1082-A/Hapur/77-78/7512.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 2-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gulab Bai wife of late Jagdish Kripal  
Resident of Revti Kunj, Railway Road, Hapur,  
Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

(1) Shri Raj Kripal son of Banwari Lal  
Sunil Kumar son of Raj Kripal  
Resident of Burj, Hapur,  
Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House property transferred in three parts, situated at Revti Kunj, Railway, Hapur Distt. Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 26,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-1-78

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 2nd June 1978

Ref. No Acq/1461-A/Hardwar/77-78/1062.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haridwar on 12-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Prasad s/on Hira  
R/o V. & P.O. Bhogpur, Parg, Jwalapur,  
Teh. Roorkee,  
Distt. Saharanpur.

(Transferor)

- (2) Shri Darshan Singh and Jageer Singh  
S/o S. under Singh  
R/o Vill. Noonawala,  
P.O. Bhaniawala, Distt. Dehradun,  
Present : Vill. Bhogpur,  
Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee,  
Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 19 Bigha 10 Biswa and 3 Biswansi, situated at Village Bhopur, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 55,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-6-1978

Seal :

FORM ITNS-\_\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 22nd March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 635.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 3 situated at Valivarthipadu Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudivada on 23-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- S/Shri  
(1) 1. Sambhangi Rangarao,  
2. S. Mahalaxmi,  
3. S. Ramakrishnarao,  
4. S. Ramanarao,  
5. Peddinti Satyavatamma,  
C/o 6th Ward, Peddavcedhi,  
Gudivada.

(Transferor)

- (2) Smt. Akurathi Prabhavathi,  
W/o Pardhasaradhi, 10/80, Ravinilayam,  
Gudivada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3374/77 registered before the Sub-registrar, Gudivada during the fortnight ended on 30-9-1977.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 22-3-1978  
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Nandyala Bhimeswar,  
Rajampeta Post, Kamareddi Taluk,  
Nizamabad Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

- (2) Shri Eturu Venkata Radhakrishnamurthy,  
Dev. Officer, L.I.C., Nidadavolu, W.G. Dt.  
Smt. Eturu Kanakamba  
W/o Sitaramasastry,  
Kanchikacherla Post, Nandigama Taluk,  
Kistna Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 22nd March 1978

Ref. No Acq. F. No. 637.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 568 situated at Kanchikacherla Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandigama on 7-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3727/77 registered before the Sub-registrar, Nandigama during the fortnight ended on 15-9-1977.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 22-3-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 20th April 1978

Ref. No Acq. F. No. 663.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No 313/2 situated at Buddhavaram (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gannavaram in Sept 1977. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) 1. Gudavalli Radha Subbarao  
S/o Laxma Raidu,  
2. G. Laxmi Srinivasa Nagendraprasad  
3. G. Kodanda Ramayya,  
Minor by guardian father  
G. Radha Subbarao,  
Buddavaram, Gannavaram Taluk.

(Transferor)

- (2) Smt. Sunkara Vijayakumari  
W/o Yashwantharao,  
S.E., Hindustan Steel Construction Ltd.,  
Quarter No. 11C, St-10, Section 10,  
Bhilal Nagar (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2821/77 registered before the Sub-registrar, Gannavaram during the fortnight ended on 30-9-1977.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 20-4-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
4/14, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 2nd June 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/159/Oct.I(9)/77-78.—Whereas, I, J. S. GILL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. II-J/20-B, situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 12-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Keshoo Dass s/o Shri Sadhu Ram,  
R/o 13, Vasdev Nagar, Andha Mughal, Delhi  
Through General Attorney  
Smt. Raksha Rani  
W/o Shri Onkar Nath Sethi  
R/o II-J/20-B, Lajpat Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Devinder Kumar Sethi  
S/o Shri Onkar Nath Sethi  
R/o II-J/20-B, Lajpat Nagar,  
New Delhi-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A Government Built property bearing No. J-II/20-B, measuring 100 sq. yds. situated at Lajpat Nagar New Delhi.

J. S. GILL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.

Date : 2-6-1978

Seal :

FORM ITNS— —

(1) Shri Sudhanshu Saigal  
S/o Shri J. P. Saigal,  
R/o 38, Jawahar Nagar, Delhi-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 2nd June 1978

Ref. No. IAC/Acq I/219/Nov.II(11)/77-78.—Whereas, I,  
J. S. GILL  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

M-201 situated at Greater Kailash-II, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on 21-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(2) Shri PradEEP Awasthi and Shri Tarun Awasthi  
S/o Shri Madan Mohan Awasthi  
R/o 4859/A, Harbans Singh Street,  
24, Daryaganj, New Delhi-110002.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

A piece of land measuring 400 sq. yds. bearing Plot No.  
201 Block 'M' situated in the residential colony known as  
Greater Kailash-II, New Delhi area of Village Bahapur in  
the Union Territory of Delhi Municipal Corporation and  
bounded as under :—

East : S. Lane

West : Road

North : Plot No. M/199

South : Plot No M/203

J. S. GILL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.

Date : 2-6-1978

Seal :



## FORM ITNS

- (1) Shri Davinder Kumar Anand  
S/o Shri A. R. Anand  
R/o 19, South Patel Nagar, New Delhi  
Through Attorney Shri Chaman Lal Vohra  
S/o Shri Sham Das Vohra  
R/o E-10/5, Vasant Bihar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Satish Kumar Lakhina  
S/o Shri Charan Das Lakhina  
1/3 share of property and  
2. Smt. Rita Lakhina  
W/o Shri Satish Kumar Lakhina  
R/o G-47, Kalkaji, New Delhi  
2/3rd share of property.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 2nd June 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/134/Sep.I(18)/77-78.—Whereas, I,  
J. S. GILL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

E-511, situated at Greater Kailash-II, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on 13-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefore by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

A free-hold plot bearing No. 511 n Block 'E' measuring  
400 Sq. yds. in the residential colony known as Greater  
Kailash-II, New Delhi-48 within the limits of Delhi Municipal  
Corporation, in the Revenue Estate of Village Bahapur, in  
the Union Territory of Delhi, and bounded as under :—

North : House No. E-513  
South : House No. E-509  
East : Road  
West : Service Lane

J. S. GILL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Date : 2-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 25th May 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1306/78-79/732.—Whereas, I,  
N. S. CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 4348-B/1, Madan Mohan Street, situated at 4-C,  
Darya Ganj, Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Delhi in October, 1977,  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of  
the property as aforesaid exceeds the apparent con-  
sideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

(1) Shri Bhim Sen Gupta s/o Late Dr. HAR SWAROOP  
GUPIA r/o 7301, Circle Avenue 102 Forest Park,  
Illinois 60130 USA, through his brother & Gen. Att.  
Sh. Om Parkash r/o 4318, Kayasthan Street, 3  
Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Kumari Agarwal w/o Shri Bir Singh  
Agarwal r/o 116 State Bank Colony, Delhi-33 & Sh.  
Rama Nand Gupta and Sada Ram Gupta sons of  
L. Lala Giani Ram, r/o D-5 Rana Partap Bagh,  
Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land known as Plot No. 4348-B/1 Madan Mohan  
Street, 4-C, Darya Ganj, New Delhi-110002 alongwith the  
upper structure measuring 193.36 sq. mts or 231.27 sq. yds  
and bounded as under :—

North : House No. 4378.  
South : 15ft. wide road.  
West : House No. 4348-A.  
West : House No. 4348-A.

N. S. CHOPRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
ACQUISITION RANGE-II, DELHI/NEW DELHI.

Date : 25th May, 1978

Seal :